राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार, 06 सितंबर 2022 वर्ष-5, अंक-220 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारी बारिश के कारण बेंगलुरु में जगह-जगह भरा पानी, भीषण ट्रैफिक जाम से जूझ रहे लोग

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में भारी बारिश के कारण सोमवार को जगह-जगह जलजमाव हो गया है। इसके कारण यहां की ट्रैफिक भी ठप पड़ गई है। कोरामंगला समेत बेंगलुरु के अनेक हिस्सों में सामान्य जनजीवन प्रभावित है। हालात की मांग है कि टेक राजधानी बेंगलुरु के आफिस की ओर से वर्क फ्राम होम के आदेश जारी कर दिए जाएं। बेंगलुरु में आज इस कठिनाई का सामना करने वाली एक युवती ने एएनआइ को बताया, %बेंगलुरु में इतना अधिक पानी भर जाएगा ऐसा कभी सोचा नहीं था। किसी तरह हम यहां तक पहुंच गए हैं लेकिन यहां से आगे अपने आफिस तक कैसे पहुंचेंगे, इसका पता नहीं। यहां के प्रशासन को हालात पर काबू करना चाहिए। न्यूज एजेंसी रायटर्स के अनुसार, यहां अमेजन, फ्लिपकार्ट और विप्रो जैसी कंपनियां हैं। वाल स्ट्रीट इंवेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैक्स और भारतीय होम डिलिवरी कंपनी स्विगी ने अपने कर्मचारियों को घर से काम करने के आदेश दे दिए हैं। सोशल मीडिया के यूजर्स भी लोगों को निश्चित मार्गों से परहेज करने की सलाह दे रहे हैं।

स्थानीय टेलीविजन पर ढेर सारी ऐसी तस्वीरें और वीडियो क्लिप प्रसारित हो रहे हैं जिसमें जगह-जगह कमर तक पानी भर गया है और इसके कारण लंबा ट्रैफिक जाम लगा पड़ा है। स्थानीय निवासी ने न्यूज एजेंसी एएनआइ को बताया, %यहां भारी बारिश हुई। सुबह जागने के बाद हमने देखा कि जलजमाव शुरू हो गया था। सड़क पर डिवाइडर तक पानी पहुंच गया। इसके बाद हमने सड़क और बेसमेंट से पानी को निकालना शुरू किया। मेरा बेसमेंट पूरी तरह जलमग्न हो चुका है। एक अन्य स्थानीय नागरिक ने कहा कि हर साल यह स्थिति बनती है और उन्हें खराब निकासी व्यवस्था के कारण पानी निकालना पड़ता है।

लखनऊ के पांच सितारा होटल लेवाना सूईट में लगी आग, 2 की मौत

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ के पांच सितारा होटल लेवाना सूईट में आग लग गई। आग में कई लोगों के झुलसने और 1 पुरुष और 1 महिला की मौत की सूचना है। आग से झुलसे 7 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह होटल हजरतगंज इलाके में हैं। कई लोग अभी भी होटल में फंसे हैं। मौके पर पहुंचा फायर ब्रगिड लोगों को होटल से बाहर निकालने और आग पर काबू पाने के काम में जुटा हुआ है। होटल के कमरों की खिड़कियों के शीशों को तोड़कर लोगों को निकाला जा रहा है। आशंका है कि शार्ट सर्किट की वजह से यह आग लगी है। बताया जा रहा है कि जिस फ्लोर पर आग लगी उस पर 30 कमरे हैं। उनमें से 18 रूम बुक थे। हादसे के वक्त वहां 40 से 45 लोग रहे होंगे।

होटल में रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। पता चल रहा है कि कमरा नंबर 214 में एक परिवार फंसा हुआ है। एक कमरे में दो लोग बेहोश हो गए। चौथे फ्लोर पर सिर्फ़ बॉर है। कटर से शीशे काटे जा रहे है। होटल से निकाले जा रहे सभी लोगों को एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा जा रहा है। बताया जा रहा है कि सुबह 6 बजे के करीब होटल में धुंआ निकलता दिखा। अलार्म बजने पर लोगों को इसकी जानकारी हुई। आग होटल की तीसरी मंजिल पर लगी और देखते ही देखते पूरे होटल में फैल गई। मौके पर फायर ब्रिगेड की करीब 20 गाड़ियां पहुंची हैं। फायर ब्रिगेड के जवान खिड़कियों से होटल में घुसकर लोगों को बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं। आग पर काबू पाने के लिए भी लगातार फायर ब्रिगेड के जवान जूझ रहे हैं। होटल से निकालकर अब तक 7 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया है।

पूरी तरह पैक है होटल, शीशे काटने के लिए मंगाई गई मशीन

बताया जा रहा है कि होटल लेवाना सूईट पूरी तरह से पैक है। होटल के अंदर फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए खिड़कियों के शीशे तोड़ना ही एकमात्र विकल्प है। ऐसे में खिड़कियों के शीशे काटने के लिए मशीन मंगाई गई है।

धुएं के गुब्बार के बीच चलाया जा रहा रेस्क्यू ऑपरेशन

होटल में धुएं के गुब्बार के बीच फायर ब्रिगेड अपना रेस्क्यू ऑपरेशन चला रहा है। धुएं की वजह से फायर ब्रिगेड के लोगों को भी काफी दिक्कत हो रही है। होटल से बाहर निकलते धुएं के गुब्बार से लग रहा है कि अंदर आग विकराल रूप ले चुकी है। अंदर फंसे लोगों और फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों के ऑक्सीजन सिलेंडर और मास्क भी मंगाए गए हैं।

मौके पर पहुंचे डीएम और सभी बड़े अफसर

होटल लेवाना सूईट में आग लगने की सूचना पर लखनऊ के डीएम समेत प्रशासन और पुलिस के सभी बड़े अफसर मौके पर पहुंच गए हैं। बताया जा रहा है कि होटल में हर फ्लोर पर करीब 30 कमरे हैं। कई लोगों को होटल से रेस्क्यू कर लिया गया है लेकिन अभी भी अंदर कुछ लोगों के फंसे होने की बात कही जा रही है।

रस्सी में बांधकर उतारे गए लोग

फायर ब्रिगेड ने होटल में फंसे कुछ लोगों को रस्सी में बांधकर सीढ़ी के सहारे होटल की दूसरी और तीसरी मंजिल से बाहर निकाला गया। इस काम में फायर ब्रगिड को काफी मशक्कत का सामना करना पड़ है। होटल पूरी तरह से पैक होने के चलते सिर्फ खिड़कियों के रास्ते ही अंदर घुसा जा सकता है। लेकिन खिड़कियों के बाहर लगे लोहे काटकर और शीशों को तोड़कर अंदर घुसना काफी मुश्किल भरा काम साबित हो रहा है।

धुआं देख भागे कुछ लोग

सुबह धुआं उठता देख होटल के अंदर मौजूद कुछ लोग बाहर की ओर खुद ही भागे। कुछ कर्मचारी भी मौके से भाग गए। इसके बाद कुछ लोगों को फायर ब्रिगेड के पहुंचने के बाद निकाला गया। होटल के अंदर से निकले एक गेस्ट ने बताया कि उन्होंने अचानक धुआं निकलता देखा तो वह भाग कर बाहर आ गए। उन्होंने कहा कि अंदर कई लोग मौजूद हैं। एक कर्मचारी ने आशंका जताई कि आग शार्ट सर्किट की वजह से लगी होगी।

नीतीश कुमार ने मानी अपनी गलती; सुशील मोदी ने दिखाया आईना

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री और जेडीयू के सर्वेसर्वा नीतीश कुमार ने अपनी एक ऐसी गलती स्वीकार किया है जिसे वे कभी दोहराना नहीं चाहते। राष्ट्रीय परिषद की बैठक में उन्होंने माना कि इस गलती की वजह से बहुत सारे लोग उनसे दूर हो गए और पार्टी को घाटा हआ। हालांकि, नतीश कुमार ने यह कहा कि उन्होंने अब उस गलती सुधार लिया है और भविष्य में कभी भी वह गलती नहीं करेंगे जिसपर उन्हें पछतावा आए। बीजेपी नेता सुशील कुमार ने नीतीश कुमार के इस बयान पर पटलवार किया है। सुशील मोदी ने कहा है कि वे बार-बार पटलते रहते हैं। इसलिए अपने इस बयान से कब पलट जाएंगे किसी को पता नहीं। इसिलिए उनके बड़े भाई लालू यादव ने उन्हें एक बेहद खास नाम दिया थाा दरअसल, नीतीश कुमार ने कहा है कि साल 2017 में बीजेपी के साथ जाकर उन्होंने बड़ी गलती की थी। राजद के साथ मिलकर महागठबंधन सरकार में बहुत अच्छा काम हो रहा था। लेकिन बीजेपी के झांसे में आकर वे चले गए। इससे कई अन्य लोग दूर हो गए। अब पहले के साथी के साथ आकर महागठबंधन बन गया है तो वे लोग साथ आने लगे हैं।

5 दिन भी केसीआर के साथ नहीं चल पाए नीतीश! जेडीयू ने प्रस्ताव किया खारिज

नीतीश कुमार के इस बयान पर बीजेपी नेता सुशील मोदी नें तीखा वार किया है। सुशील मोदी ने कहा है कि पहले कहते थे कि मिट्टी में मिल जाएंगे पर बीजेपी आरएसएस के साथ नहीं जाएंगे। पर वे अपनी ही बात भूलकर बीजेपी के साथ आ गए। इसी वजह से उनके बड़े भाई लालू प्रसाद यादव ने उन्हें एक खास नाम दिया। हम वह नाम नहीं बोल सकते क्योंकि नीतीश जी मेरे बड़े भाई हैं। सुशील मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार बार बार पलटते हैं। इसलिए उनके इस दावे का कोई मतलब नहीं है। इस बीच नीतीश कुमार दिल्ली गए। मुख्यमंत्री दिल्ली में उन सभी नेताओं से मुलाकात करने वाले हैं जो भाजपा के विरोध में है।

युवक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने छोड़ी पार्टी, पद देने के लिए डेढ़ करोड़ रुपये लेने का लगाया आरोप

अहमदाबाद। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के प्रस्तावित अहमदाबाद दौरे से एक दिन पहले गुजरात कांग्रेस को दोहरा झटका लगा। युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ सिंह वाघेला ने अपने पद से इस्तीफा दिया है। साथ ही उन्होंने अपने इस्तीफे में गंभीर आरोप लगाया कि उन्हें युवक कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष बनाने के लिए उनसे डेढ़ करोड़ रुपये लिए गए थे। इसके अलावा रविवार को ही कांग्रेस पार्टी नेता व पूर्व गृह मंत्री नरेश पटेलरावल और पूर्व सांसद राजू परमार जैसे दिग्गज नेताओं ने कांग्रेस को छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली।

मैंने चुनाव लड़ा और जीता। मेरे कुलीन वर्ग में किसी ने राजनीति में प्रवेश नहीं किया। कई नेताओं ने मुझे हराने की बहुत कोशिश की। आज मैंने अपनी अपने पद से इस्तीफा दे दिया। वाघेला ने अपने त्यागपत्र के सात पन्नों में कांग्रेस पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं।

युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ सिंह वाघेला ने पार्टी अध्यक्ष को सात पन्नों का पत्र लिखकर अपना इस्तीफा भेज दिया है। गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले वाघेला के इस्तीफा और गंभीर आरोप से एक बार फिर राज्य में सियासत का पारा चढ़ गया है। रविवार को विश्वनाथ सिंह ने एक प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि युवक कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष बनाने के लिए उनके साथ डेढ़ करोड़ रुपये का सौदा किया गया। कांग्रेस में कोई भी पद लेने के लिए नकद लेनदेन होता है। उन्होंने कहा कि मैंने चुनाव लड़ा और जीता। मेरे कुलीन वर्ग में किसी ने राजनीति में प्रवेश नहीं किया। कई नेताओं ने मुझे हराने की बहुत कोशिश की। आज मैंने अपनी अपने पद से इस्तीफा दे दिया। वाघेला ने अपने त्यागपत्र के सात पन्नों में कांग्रेस पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में आने का कारण सिर्फ इतना था कि स्कूलों में पढ़ाया जाता था कि देश को आजादी दिलाने में कांग्रेस के कई नेताओं का बहुत बड़ा योगदान था। लेकिन देश की आजादी के बाद कई नेताओं को पीछे छोड़ दिया गया। उन्होंने कहा कि इस्तीफा देने से चार दिन पहले मैंने कृष्णा और श्रीनिवास को मैसेज किया। अब उन्होंने मेरे फोन उठाना बंद कर दिया है। विश्वनाथ ने दावा किया कि पिछले दस साल से पार्टी में गुटबाजी चल रही है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस का अधिवेशन अहमदाबाद में होने वाला है। इसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी शामिल होंगे।

शिवराज सरकार में सामने आया बड़ा 'राशन घोटाला', तरीका 'चारा घोटाले' वाला

भोपाल। मध्य प्रदेश का महिला एवं बाल विकास विभाग प्रदेश में विभिन्न जिलों में रहने वालें तीन साल की उम्र के बच्चों, गर्भवती व स्तनपान कराने वाली माताओं और 11 से 14 वर्ष के आयु वर्ग में स्कूल से बाहर की किशोरियों की पोषण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पूरक पोषण आहर के तहत टेक होम राशन बांटा रहा है। इसका खुलासा मध्य प्रदेश ऑडिटर जनरल की ऑडिट रिपोर्ट में हुआ है। यह विभाग अभी खुद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के पास है। दरअसल विभाग ने 2018-21 के दौरान करीब 2393 करोड़ का 4.05 मीट्रिक टेक होम राशन लगभग 1.35 करोड़ लाभार्थियों को बांटा। लेकिन टेक होम राशन की ऑडिट रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि इसके परिवहन, उत्पादन, वितरण और गुणवत्ता में गड़बड़ी की गई है। इस योजना के तहत बांटा जाने वाला टेक होम राशन बड़ी मात्रा में सिर्फ कागजों में बांट दिया गया। ऑडिटर जनरल की ऑडिट रिपोर्ट में कहा गया है कि बाइक, कार, ऑटो और टैंकर के नंबरों को ट्रक का बताकर 6 राशन बनाने वाली फर्मो से करीब 6.94 करोड़ का 1125.64 मीट्रिक टन राशन परिवहन दिखाया गया। साथ ही इसके टेक होम राशन के उत्पादन और वितरण के रिकॉर्ड में भी गड़बड़ी सामने आई है। यहां उत्पादन के लिए कच्चा माल, बिजली की खपत की तुलना में राशन का असंभव उत्पादन किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार इसमें करीब 58 करोड़ का नकली उत्पादन किया गया। प्रदेश के धार, मंडला, रीवा, सागर और शिवपुरी में यह गड़बड़ी देखने को मिली है। यहां चालान जारी करने की तारीख पर टेक होम राशन के स्टॉक में अनुपलब्धता होने के बावजूद लगभग 822 मीट्रिक टन टेक होम राशन सप्लाई कर दिया गया। रिपोर्ट के अनुसार स्कूल नहीं जाने वाली छात्राओं की संख्या का बिना बेसलाइन सर्वे कर ही राशन बांट दिया। और स्कूल शिक्षा विभाग के 9 हजार बच्चों की संख्या को ना मानते हुए बिना सर्वे के 36 लाख से ज्यादा संख्या मान ली।

शिक्षक दिवस पर पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह व जेपी नड्डा ने दी बधाई, सर्वपल्ली राधाकृष्णन को किया याद

नई दिल्ली। भारत में हर साल 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। इस दिन देश के प्रथम उप राष्ट्रपति डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद किया जाता है। आज शिक्षक दिवस के अवसर पर पीएम मोदी ने बधाई दी। पीएम मोदी ने टीचर्स डे की बधाई। पीएम ने ट्वीट कर लिखा कि शिक्षक दिवस की बधाई, खासकर उन सभी मेहनती शिक्षकों को जो युवा मन में शिक्षा की खुशियां फैलाते हैं। मैं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राधाकृष्णन को भी उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

अमित शाह ने किया सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद-आज शिक्षक दिवस के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सभी गुरूओं को बधाई दी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट कर लिखा कि शिक्षक अपने ज्ञान से न केवल

बच्चों को शिक्षित कर उनके भविष्य को संवारता है बल्कि एक सशक्त राष्ट्र को आकार देने में भी अद्वितीय योगदान देता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आगे लिखा कि प्रख्यात शिक्षाविद भारतरत्न डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की जयंती पर उन्हें नमन व सभी परिश्रमी गुरुजनों को 'शिक्षक दिवस' की शुभकामनाएं। शिक्षक अपने ज्ञान से न केवल बच्चों को शिक्षित कर उनके भविष्य को संवारता है बल्कि एक सशक्त राष्ट्र को आकार देने में भी अद्वितीय योगदान देता है।

जेपी नड्डा ने दी शिक्षक दिवस की बधाई

वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी शिक्षक दिवस की बधाई दी। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि पूर्व राष्ट्रपति व महान शिक्षाविद, भारत रत्न डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की जयंती पर कोटिशः नमन। आप सभी को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। शिक्षा के महत्व को सर्वोपरि रखने वाले डॉ.राधाकृष्णन का आदर्श जीवन, सहज व्यक्तित्व, सेवाभाव आज भी हमें प्रेरित करता है।

पूर्व राष्ट्रपति व महान शिक्षाविद, भारत रत्न डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की जयंती पर कोटिशः नमन।

आप सभी को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

शिक्षा के महत्व को सर्वोपरि रखने वाले डॉ.राधाकृष्णन का आदर्श जीवन, सहज व्यक्तित्व, सेवाभाव आज भी हमें प्रेरित करता है।

डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन का आज ही के दिन हुआ था जन्म

भारत के प्रथम उप राष्ट्रपति डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन का आज के ही दिन 5 सितंबर, 1888 को तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के तिरुमनी गांव में हुआ था। जब डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन देश के राष्ट्रपति बनें, तो कई छात्र उनसे मिलने पहुंचें। इस दौरान उन्होंने डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन पर शिक्षक दिवस मनाने की अनुमति मांगी। उस समय डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन मना नहीं कर सके और उन्होंने इजाजत दे दी। उसी समय से 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है।

मदरसे अपनी मर्जी से नहीं बहाल कर सकते हैं शिक्षक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान/ स्कूल/ कॉलेज अपनी मर्जी से शिक्षकों की नियुक्ति नहीं कर सकते। सरकार उन्हें योग्य और उपयुक्त शिक्षक देती है तो उन्हें उनकी नियुक्ति करनी होगी। यह फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल मदरसा सेवा आयोग कानून, 2008 को वैध घोषित कर दिया।

कोलकाता हाईकोर्ट ने इस कानून की धारा 8, 10, 11, 12 को असंवैधानिक ठहराते हुए निरस्त कर दिया था और कहा था कि ये प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 30 (1) का उल्लंघन है जिसमें अल्पसंख्यकों को अपने शिक्षण संस्थानों की स्थापना और उनके प्रशासन का अधिकार है। इस आदेश को पश्चिम बंगाल सरकार और कुछ उम्मीदवारों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी जिन्हें सेवा आयोग ने मदरसों के लिए नामित किया था। इसके बाद मजना हाई मदरसा आदि ने फिर से सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दायर की जिसे जस्टिस सुधांशु धूलिया की पीठ ने खारिज कर दिया।

इससे पूर्व कोर्ट ने जनवरी 2020 में हाईकोर्ट के फैसले को निरस्त कर दिया था और पश्चिम बंगाल मदरसा सेवा आयोग अधिनियम, 2008 को सही ठहराया था। इस कानून के जरिये सरकार सहायता प्राप्त मदरसों में योग्य शिक्षकों की नियुक्ति कर रही थी। मदरसों का कहना था कि मदरसा सेवा आयोग बनाकर सरकार ने उनके अनुच्छेद 30(1) में मिले संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन किया

है। क्योंकि आयोग सरकार का अंग है और वह शिक्षकों की सूची उन्हें भेजता है जिन्हें मदरसों में पढ़ाने के लिए नियुक्त करना आवश्यक किया गया है। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि टीएमए पाई फाउंडेशन केस (1993) में 11 जजों की पीठ ने पाया था कि संविधान के अनुच्छेद 30(1) के तहत अल्पसंख्यक संस्थानों को पूर्ण अधिकार नहीं है। यदि वे सरकार से आर्थिक सहायता ले रहे हैं तो उन्हें सरकार के योग्यता और उत्कृष्टता के मानदंडों का पालन करना होगा। क्योंकि शिक्षक क्या पढ़ा रहे हैं ये देखना सरकार का काम है। योग्यता और उत्कृष्टता की अवधारणा से कोई भी विचलन अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों को विभिन्न फैसलों में विचार किए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रभावी वाहन नहीं बनने देगा। इसके अलावा, यदि योग्यता एकमात्र और प्रशासी मानदंड नहीं है, तो अल्पसंख्यक संस्थान गैर अल्पसंख्यक संस्थानों के साथ कदम से कदम मिलाने के बजाए उनसे पीछे रह सकते हैं। कोर्ट ने फैसले में कहा कि यदि अल्पसंख्यक संस्थान के पास नियामक व्यवस्था के तहत दिए गए उम्मीदवार की तुलना में बेहतर उम्मीदवार उपलब्ध हैं तो संस्थान निश्चित रूप से प्राधिकरण के उम्मीदवार को अस्वीकार कर सकता है। लेकिन यदि शिक्षा प्रदान करने के लिए आयोग द्वारा नामित व्यक्ति अन्यथा ज्यादा योग्य और उपयुक्त है, तो अल्पसंख्यक संस्थान उसे अस्वीकार करके संस्था को उत्कृष्टता प्राप्त करने में बाधक बनेगा। इस प्रकार ऐसी कोई भी अस्वीकृति संविधान के अनुच्छेद 30 (1) के तहत संरक्षित अधिकारों के दायरे में नहीं होगी।

कोर्ट ने कहा शिक्षकों / गैरशिक्षकों की नियुक्ति करना अल्पसंख्यक संस्थानों के अधिकारों का उल्लंघन नहीं है। शिक्षकों का प्रशासनिक और अनुशासनात्मक नियंत्रण तो संस्थानों के पास ही रहता है। अदालत ने यह भी कहा कि सेवा आयोग अधिनियम के प्रावधानों के अनुसरण में आयोग द्वारा किए गए सभी नामांकन योग्य और लागू करने योग्य हैं।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सारे अनुभवी, योग्य और उम्रदराज़ नेता ऐसे लग रहे थे, जैसे किसी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के मेनेजर या बाबू हों। पिछले दिनों कांग्रेस के पुनर्जन्म की जो हवा बह रही थी, वह उस मंच से नदारद थी। राहुल गांधी इस पार्टी के अध्यक्ष रहें या न रहें, बनें या न बनें, असली मालिक तो वही हैं, यह इस रैली ने सिद्ध कर दिया है।

रामलीला में हुई राहुललीला

(लेखक-डॉ वेदप्रताप वैदिक)

रामलीला मैदान की रैली में कांग्रेस ने काफी लोग जुटा लिये। हरयाणा से भूपेंद्र हूडा और राजस्थान से अशोक गहलोत ने जो अपना जोर लगाया, उसने कांग्रेसियों में उत्साह भर दिया लेकिन यह कहना मुश्किल है कि इस रैली ने कांग्रेस पार्टी को कोई नई दिशा दिखाई है। इस रैली में कांग्रेस का कोई नया नेता उभरकर सामने नहीं आया। कई कांग्रेसी मुख्यमंत्री और प्रादेशिक नेता मंच पर दिखाई दिए लेकिन उनकी हैसियत वही रही, जो पिछले 50 साल से थी। सारे अनुभवी, योग्य और उम्रदराज़ नेता ऐसे लग रहे थे, जैसे किसी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के मेनेजर या बाबू हों। पिछले दिनों कांग्रेस के पुनर्जन्म की जो हवा बह रही थी, वह उस मंच से नदारद थी। राहुल गांधी इस पार्टी के अध्यक्ष रहें या न रहें, बनें या न बनें, असली मालिक तो वही हैं, यह इस रैली ने सिद्ध कर दिया है। रामलीला मैदान में हुई यह राहुललीला क्या यह स्पष्ट संकेत नहीं दे रही है कि 'भारत-जोड़ो यात्रा' का नेतृत्व कौन करेगा? आप ज़रा सोचिए कि जो पार्टी लोकसभा की 400 सीटें जीतती थी, वह सिकुड़कर के 50 के आस-पास आ जाए, फिर भी उसमें नेतृत्व परिवर्तन न हो, वह पार्टी अंदर से कितनी जर्जर हो चुकी होगी। रामलीला मैदान में भाषण तो कई नेताओं के हुए लेकिन टीवी चैनलों और अखबारों में सिर्फ राहुल गांधी ही दिखाई पड़ रहे है। इसका अर्थ यह भी लगाया जा सकता है कि ऐसा जान-बूझकर करवाया जा रहा है ताकि कांग्रेस की मज़ाकिया छवि बनती चली जाए! ऐसा नहीं है कि राहुल का भाषण बिल्कुल बेदम था। उसमें कई ठोस और उचित आलोचनाएं भी थीं लेकिन देश के श्रोताओं के दिमाग में जो छवि राहुल की पहले से बनी हुई है, उसके कारण कारण उसका कोई खास असर होने की संभावना बहुत कम है। राहुल और सोनियाजी को पता है कि अकेली कांग्रेस मोदी के मुकाबले इस बार पासंग भर भी नहीं रहनेवाली है लेकिन इसके बावजूद राहुल ने देश की अन्य प्रांतीय पार्टियों को अपने कथन से चिढ़ा दिया है। उसने कह दिया कि इन पार्टियों के पास कोई विचारधारा नहीं है। क्या राहुल की कांग्रेस अन्य विरोधी पार्टियों के बिना मोदी का मुकाबला कर सकती है? राहुल का यह कहना भी कोरी अतिरंजना है कि संसद में विरोधियों को बोलने नहीं दिया जाता और मीडिया का गला घोंटा जा रहा है। राहुल ने न्यायपालिका को भी नहीं बख्शा। कांग्रेस के पास श्रेष्ठ वक्ताओं का अभाव है, यह बात राहुल के अलावा सबको पता है। हर सरकार मीडिया को फिसलाने की कोशिश करती है लेकिन यदि भारतीय मीडिया गुलाम होता तो क्या राहुल को आज इतना प्रचार मिल सकता था? राहुल ने मंहगाई और बेरोजगारी का रोना रोया, सो ठीक तो है लेकिन क्या यह तथ्य सबको पता नहीं है कि अपने पड़ौसी देशों में मंहगाई दो सौ और तीन सौ प्रतिशत तक बढ़ गई है। वे आर्थिक भूकंप का सामना कर रहे हैं और अमेरिका और यूरोप भी बेहाल हैं। उनके मुकाबले भारत कहीं बेहतर स्थिति में है। यदि राहुल किसी विशाल जन-आंदोलन का सूत्रपात करते तो इस रैली का महत्व एतिहासिक हो जाता लेकिन 'भारत-जोड़ो' के पहले यह 'कांग्रेस जोड़ो' जैसी कोशिश दिखाई पड़ रही थी। इस राहुललीला से कांग्रेसी कार्यकर्ताओं में कुछ जोश पैदा हो जाए तो भारतीय लोकतंत्र कुछ न कुछ सशक्त जरुर हो जाएगा।

कार्टून

बेटी को अधिकार 'अंबानी' का नया संदेश!

लेखिका- सोनम लववंशी

अपनी बेटी ईशा अंबानी को रिलायंस इंडस्ट्रीज का पूरा रिटेल कारोबार सौंप दिया। इस बहाने रिलायंस चेयरमैन ने अपनी उत्तराधिकार योजना को साफ कर दिया। उन्होंने अपने तीनों बच्चों के लिए रास्ता साफ कर दिया। इसमें सबसे अच्छा ये है कि भविष्य में किसी खींचतान की गुंजाइश नहीं है। इस विरासत में बेटी को भी बेटों जितना ही हक मिलेगा। सोमवार को रिलायंस की 45वीं एजीएम में रिलायंस के चेयरमैन ने ईशा का परिचय ग्रुप के रिटेल कारोबार की हेड के तौर पर करवाया। उन्होंने जिस अंदाज में ईशा का परिचय दिया, वह देश के करोड़ों के दिलों को प्रभावित कर गया।

बेटियां भी बेटों के बराबर हैं! अब ये सिर्फ कहने की बात नहीं रही, बल्कि ये सामाजिक बदलाव नजर भी आने लगा है। रिलायंस जैसे विशाल उद्योग घराने ने भी इसे आत्मसात करते हुए अपने कारोबार में बेटी ईशा को रिटेल कारोबार की बागडोर सौंप दी। रिलायंस की सालाना आम बैठक में मुकेश अंबानी ने इस बात को स्पष्ट भी कर दिया। उन्होंने बता दिया कि कारोबार की पूरी बाग़डोर अब सिर्फ बेटों के हाथ में ही नहीं दी जाती, बेटियां भी बराबरी की हिस्सेदार बनने लगी हैं! ईशा इतनी काबिल भी है कि वे इस उद्योग घराने के एक कारोबार को संभाल सके। देश की सबसे अमीर शख्सियत मुकेश अंबानी ने अपनी विरासत का बंटवारा करने के साथ बेटी को दोनों बेटों के बराबर का माना वो एक नया सामाजिक संदेश समझा जा सकता है, जो उद्योग घराने से बाहर आया है। बड़े बेटे आकाश अंबानी को रिलायंस जियो की कमान सौंपते हुए उन्हें टेलीकॉम कंपनी का चेयरमैन बना दिया। अनंत अंबानी को ग्रीन एनर्जी का बिजनेस मिल सकता है। वहीं ईशा अंबानी को रिलायंस रिटेल का चेयरपर्सन बना दिया गया। आज ईशा अंबानी एक बड़ी सम्पति की हकदार जरूर है, पर कभी वे टीचर बनना चाहती थीं। वे पहली बार तब सुर्खियों में छाईं, जब वे 16 साल की उम्र में दुनिया की सबसे कम उम्र की अरबपति उत्तराधिकारियों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आई थीं। रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने बेटी के अधिकार और सामाजिक बदलाव की जोरदार मिसाल पेश की। उन्होंने अपनी बेटी ईशा अंबानी को रिलायंस इंडस्ट्रीज का पूरा रिटेल कारोबार सौंप दिया। इस बहाने रिलायंस चेयरमैन ने अपनी उत्तराधिकार योजना को साफ कर दिया। उन्होंने अपने तीनों बच्चों के लिए रास्ता साफ कर दिया। इसमें सबसे अच्छा ये है कि भविष्य में किसी खींचतान की गुंजाइश नहीं है। इस विरासत में बेटी को भी बेटों जितना ही हक मिलेगा। सोमवार को रिलायंस की 45वीं एजीएम में रिलायंस के चेयरमैन ने ईशा का परिचय ग्रुप के रिटेल कारोबार की हेड के तौर पर करवाया। उन्होंने जिस अंदाज में ईशा का परिचय दिया, वह देश के करोड़ों के दिलों को प्रभावित कर गया। यह उनकी सिर्फ घोषणा नहीं, भविष्य के बदलते भारत का संकेत भी कहा जा सकता है। इससे पितृ सत्ता प्रधान समाज को यह इशारा भी मिला कि अब बेटियां कहीं से भी बेटों से कम नहीं हैं। मुकेश अंबानी ने स्पष्ट कर दिया कि उनके कारोबार के बंटवारे में बेटी ईशा का भी उतना ही अधिकार है, जितना उनके दो बेटों अनंत और आकाश का बनता है। ईशा अंबानी को घर में 'ईशू' नाम से पुकारा जाता है। वे अपने दो भाइयों में अकेली है। 2008 में 'फोर्ब्स' ने अपनी लिस्ट में उन्हें सबसे कम उम्र की अरबपति उत्तराधिकारी के तौर पर दूसरे पायदान पर रखा था। अब पिता मुकेश अंबानी ने ग्रुप के रिटेल कारोबार की बागडोर बेटी के हाथ में सौंप दी। इसके पीछे मकसद यह नहीं कि ईशा मुकेश अंबानी की लाडली है, बल्कि यह उनकी काबिलियत भी है। ईशा पढ़ाई-लिखाई में भी अव्वल रही। वह कई साल पहले रिलायंस रिटेल और जियो के बोर्ड से जुड़ी गई थीं। 2015 में उन्हें एशिया की सबसे पावरफुल अपकमिंग बिजनेस वुमन का तमगा मिला था। वे बिजनेस की बारीकियों को समझती हैं। वे न्यूयॉर्क में मैनेजमेंट कंसल्टिंग फर्म मैकेंजी में बिजनेस एनालिस्ट के तौर पर भी काम कर चुकी हैं। मुंबई के धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल से शुरुआती पढ़ाई के बाद ईशा ग्रेजुएशन के लिए येल यूनिवर्सिटी गई थीं। वहां साइकोलॉजी और साउथ एशियन स्टडीज से ग्रेजुएशन पूरा किया। फिर स्टैनफोर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस से एमबीए किया। वह बहुत अच्छा पियानो बजाती हैं। 2014 में न्यूयॉर्क में उन्होंने बिजनेस एनालिस्ट के तौर पर काम किया। उसी साल अक्टूबर में रिलायंस रिटेल और जियो के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में उन्हें शामिल किया गया। 2015 में उन्हें आने वाले समय में एशिया की 12 सबसे शक्तिशाली कारोबारी महिलाओं में रखा गया। दिसंबर 2015 में जब जियो की 4जी सर्विसेज लॉन्च हुईं तो ईशा अंबानी ने ही इसका नेतृत्व किया था। ईशा अंबानी ने रिलायंस की सालाना आमसभा बैठक में इंडस्ट्री के रिटेल कारोबार के मुखिया के तौर पर प्रेजेंटेशन दिया। एजीएम में मुकेश अंबानी ने ईशा का परिचय खुदरा कारोबार के मुखिया के तौर पर कराया तो वहां मौजूद इन्वेस्टर्स चौंके, पर साथ में उन्हें ख़ुशी भी हुई कि बदलते भारत का संकेत यही है। मुकेश अंबानी ने ईशा को रिटेल बिजनेस के बारे में विस्तार से बोलने के लिए मंच पर भी बुलाया और ईशा को रिटेल बिजनेस का सर्वेसर्वा बताया। मुकेश अंबानी ने ईशा को रिटेल की कमान देने के साथ छोटे बेटे अनंत को एनर्जी बिजनेस की कमान सौंपी है। बड़े बेटे आकाश को ग्रुप की टेलीकॉम कंपनी रिलायंस जियो का प्रमुख पहले ही नामित किया जा चुका है। इस तरह पूरी उत्तराधिकार योजना स्पष्ट है। ईशा अंबानी की नेटवर्थ 'फोर्ब्स' के मुताबिक 2018 में ही करीब 550 करोड़ रुपए आंकी थी। जबकि, वे करीब 100 मिलियन डॉलर (800 करोड़) की दौलत है। साल 2015 में ईशा अंबानी ने मुंबई में 52.8 करोड़ रुपये में एक आलीशान घर खरीदा था, जिसमें वह अपने पति आनंद पिरामल के साथ रहती हैं। 2015 में ही उन्हें एशिया की 12 सबसे पावरफुल अपकमिंग बिजनेस वुमन की लिस्ट में जगह मिली थी। 2016 में फैशन पोर्टल आजियो लॉन्च करने का पूरा श्रेय ईशा को ही जाता है। मुकेश अंबानी ये भी बता चुके हैं कि टेलिकॉम कंपनी रिलायंस जियो को लॉन्च करने के पीछे भी ईशा ही प्रेरणा थीं। वह अपने ब्रांडिंग और उपभोक्ता जुड़े कई फैसले लेने में आकाश अंबानी की मदद भी करती हैं। रिलायंस चेयरमैन ने जब अपने कारोबार की अगली पीढ़ी का परिचय दिया, तो उनकी आवाज में वो गर्व और सुकून था, जो कोई पिता अपने लायक बच्चों को अपनी विरासत सौंपते हुए करता है। उन्होंने एजीएम में कहा कि इन तीनों को समूह संस्थापक स्व धीरूभाई अंबानी की सोच विरासत में मिली है। वो पेशेवरों और अगुवाई लोगों की युवा टीम के बीच समकक्षों में पहले हैं। इन सभी को उनके और निदेशक मंडल के अन्य सदस्यों समेत तमाम वरिष्ठों का रोजाना मार्गदर्शन मिल रहा है। अंबानी यह भी बोले कि आकाश और ईशा ने जियो और रिटेल का नेतृत्व संभाला हुआ है। वहीं, अनंत भी पूरे मन से न्यू एनर्जी बिजनेस के साथ जुड़े हुए हैं। मुकेश अंबानी 65 साल के हैं। उनके तीन बच्चे हैं। ईशा और आकाश जुड़वां भाई-बहन हैं। वहीं, सबसे छोटे अनंत हैं। ईशा की शादी पीरामल समूह के आनंद पीरामल से हुई है। मुकेश अंबानी ने यह भी साफ कर दिया है कि वह अभी रिटायर नहीं होंगे। वह ग्रुप में पहले की तरह एक्टिव रहेंगे। इस एजीएम में सबकी नजरें अंबानी के उत्तराधिकारियों के नामों पर थी। इस बारे में उन्होंने पिछले साल दिसंबर में संकेत दिए थे। तब भी उन्होंने साफ कहा था कि तीनों बच्चे पहले ही ग्रुप की गैर-सूचीबद्ध कंपनियों में डायरेक्टर की भूमिका निभा रहे हैं। आगे उन्हें और बड़ी जिम्मेदारी दी जाएगी। जून में अंबानी ने रिलायंस जियो इंफोकॉम के चेयरमैन पद से इस्तीफा दिया था। इस तरह उन्होंने अपने बड़े बेटे आकाश के लिए कंपनी की बागडोर संभालने का रास्ता खोल दिया था। मुकेश अंबानी ने इस आशंका को भी दूर कर दिया कि 'बेटियां बेटों से कम है के!' ईशा अंबानी का जन्म 23 अक्टूबर 1991 को हुआ था। ईशा अंबानी को पियानो बजाने और फुटबॉल खेलने का शौक है। उन्हें लग्जरी कारों का भी शौक है। उनके कारों के कलेक्शन में रेंज रोवर, पॉर्श, मर्सिडीज बेंज, मिनी कूपर, बेंटले जैसे ब्रांड शामिल हैं।

धर्म

पहचान बनाएं

सद्गुरु

एक इंसान के तौर पर अगर हम अपनी क्षमता का इस्तेमाल नहीं करते, और एक कीड़े-मकोड़े की तरह रहने की कोशिश करते हैं, तो क्या यह हमारे जीवन के लिए एक डरावनी सच्चाई नहीं होगी? लोग अक्सर आकर कहते हैं, 'मैं यह करना चाहता हूं, लेकिन..'। ऐसी अनेक खूबसूरत चीजें थीं, जो इंसान कर सकता था, लेकिन वह कर नहीं पाया, क्योंकि उसके पास एक 'लेकिन' था। हाल ही में किसी ने मुझसे कहा, 'गुरु मैं आपको अपना जीवन समर्पित करना चाहता हूं, लेकिन..'। यहां 'लेकिन' जैसी कोई चीज नहीं होती। अगर आप 'लेकिन', और 'परंतु' जैसे शब्दों की खोज कर लेते हैं तो आप एक ख्याल बनकर रह जाते हैं। क्योंकि तब आप अपने ख्यालों को अपने दिल और दिमाग से ज्यादा तरजीह दे रहे हैं। आपमें से किसी ने अगर ईशा योग कार्यक्रम को पूरा किया होगा, तो उस समय आपके मन में कहीं-न-कहीं, एक पल के लिए ही सही, यह विचार आया होगा-'यही असली चीज है'। यह एक वो पल था, जहां आपने अपने चरम का अनुभव किया था। उसी पल को आपको अपने जीवन का आधार बनाना चाहिए, न कि आपको अपने जीवन का आधार निराशा, ईर्ष्या, नफरत भरे क्षणों, आनंद विहीन पलों, को बनाना चाहिए। आपके जीवन के जो सबसे बेहतरीन अनुभव रहे हों, वही आपके जीवन के केंद्र बिंदु होने चाहिए। अगर आप अपनी पहचान अपने अनुभवों में आई छोटी चीजों से बनाते हैं, तो आपके विचार और भावनाएं हमेशा उन्हीं के आसपास काम करेंगे और फिर उन्हीं के इर्द-गिर्द आप अपने पूरे जीवन का निर्माण करेंगे। जीवन में हर चीज-चाहे वह घास का तिनका ही क्यों न हो, अपनी क्षमताओं का सर्वश्रेष्ठ इस्तेमाल कर रही होती है। चाहे वह कीड़ा हो, एक चिड़िया या एक पेड़-हर एक जीवन अपनी क्षमता के हिसाब से सर्वश्रेष्ठ करने की कोशिश करता है। एक इंसान के तौर पर अगर हम अपनी क्षमता का इस्तेमाल नहीं करते, और कीड़े-मकोड़े की तरह रहने की कोशिश करते हैं, तो क्या यह हमारे जीवन की भयंकर सच्चाई नहीं होगी? हमें हर हाल में अपनी परम संभावनाओं को पाने की कोशिश करनी चाहिए, चाहे हम अपनी गतिविधियों के जरिए इसे पाएं या शांत होकर-पहाड़ की तरह स्थिर और अचल होकर।

विचार मंथन

पाक की फितरत

लेखक-सिद्धार्थ शंकर

लगता है कि पाकिस्तान के शासकों को अपने नागरिकों से ज्यादा कश्मीर की चिंता है। तभी तो बाढ़ से घिरे अपने देश को उसके हाल पर छोड़ प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ कश्मीर का राग अलाप रहे हैं। वह भी तब जब पाकिस्तान में बाढ़ से हालात बेकाबू हो चुके हैं। 10 दिनों की बारिश के कारण पाकिस्तान में एक तिहाई हिस्सा डूब चुका है। 3.3 करोड़ से ज्यादा लोग विस्थापित हो चुके हैं। एक हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। पाकिस्तान की सरकार के लिए सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि उसके पास इस विनाशकारी आपदा से निपटने के लिए न पैसा है न ही राशन। पाक के वित्त मंत्री ने कहा कि वे भारत से खाद्य आयात पर विचार कर सकते हैं। दूसरी ओर पाक पीएम शहबाज शरीफ ने एक बार फिर जम्मू कश्मीर का राग अलापते हुए भारत पर अनर्गल आरोप लगाते हुए शरीफ ने कहा भारत में नरसंहार चल रहा है। धारा 370 हटाकर भारत ने कश्मीर पर कब्जा कर लिया है। विनाशकारी बाढ़ में मदद के लिए दुनिया की तरफ टकटकी लगाए पाक के लिए राहत वाली बात तब सामने आई जब, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट करते हुए पड़ोसी मुल्क में प्राकृतिक आपदा पर दुख व्यक्त किया और कहा कि आपदा से प्रभावित लोगों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। पीएम मोदी के इस बयान से दोनों देशों के बीच संभावित सहयोग की उम्मीद जगी है। भारत सरकार पाकिस्तान को मदद मुहैया कराने के लिए हाई लेवल पर मीटिंग भी कर रही है लेकिन, इन उम्मीदों को झटका पाक पीएम शहबाज शरीफ के बयान से लगा। खाद्य आयात और भारत के साथ व्यापार को फिर से शुरू करने पर सवालों पर उन्होंने कहा, भारत के साथ व्यापार करने में कोई समस्या नहीं होगी लेकिन वहां नरसंहार चल रहा है और कश्मीरियों को अधिकारों से वंचित कर दिया गया है। जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को खत्म करने और तत्कालीन राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के भारत के 2019 के फैसले का जिक्र करते हुए शरीफ ने कहा अनुच्छेद 370 को समाप्त करके कश्मीर को जबरन कब्जा कर लिया गया है। एक तरफ शहबाज कहते हैं, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठकर बात करने के लिए तैयार हूं। हम युद्ध बर्दाश्त नहीं कर सकते। हमें अपने-अपने देशों में गरीबी को कम करने के लिए अपने अल्प संसाधनों को समर्पित करना होगा। वहीं दूसरी तरफ बोले कि हम इन मुद्दों को हल किए बिना शांति से नहीं रह सकते। शहबाज की दोनों बातों से साफ है कि वे मुसीबत से घिरे हैं और भारत की मदद लेने से परहेज नहीं है, साथ ही कश्मीर का मुद्दा उठाकर वे भारत की मदद को अहसान मानने को तैयार नहीं हैं। वे मदद भी ठसक के साथ लेना चाहते हैं। वे यह भूल गए कि भारतीय परंपरा में पड़ोसी कितना भी जाहिल या अड़ियल क्यों न हो, मुसीबत में उसे अकेला नहीं छोड़ा जाता। सो, शहबाज कश्मीर को छोड़ अपने नागरिकों की चिंता करें। अब रही बात भारत की तो भारत का शुरू से दृढ़ मत रहा है कि कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है। भारत हमेशा से कहता आया है कि कश्मीर मसले पर वह पाकिस्तान के साथ बातचीत को हमेशा तैयार है, लेकिन इसके लिए सबसे पहले वह सीमापार आतंकवाद को बंद करे। पाकिस्तान की सेना कश्मीर को भारत के खिलाफ बड़े हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की रणनीति पर चलती आई है। पाकिस्तान का इतिहास बताता है कि अब तक जितनी भी निर्वाचित सरकारें सत्ता में रहीं या जो सैन्य शासक रहे, कश्मीर पर सबका एक ही रुख रहा है। दरअसल, अभी तक भारत के प्रति पाकिस्तान के रवैए में कोई बड़ा सकारात्मक बदलाव नजर नहीं आया है। भारत सरकार फिलहाल 'देखो और प्रतीक्षा करो'की नीति पर चले, यही बेहतर है। पाक सरकार के सामने इस वक्त सबसे बड़ी चुनौती पाकिस्तान का आर्थिक संकट है। देश की अर्थव्यवस्था पेंदे में जा चुकी है। पाकिस्तान तीस खरब डॉलर के कर्ज में डूबा है।

विड़म्बना

आत्महत्या के भयावह आंकड़े

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

वर्ष 2021 में भारत में आत्महत्याओं के मामलों को लेकर एनसीआरबी ने जो रिपोर्ट जारी की है, वह बेहद डरावनी तस्वीर पेश कर रही है। दरअसल देश में आत्महत्या के मामलों में हर साल बढ़ोतरी हो रही है और रिपोर्ट के मुताबिक हर रोज देशभर में 450 व्यक्ति आत्महत्या करते हैं। एनसीआरबी की नवीनतम रिपोर्ट के मुताबिक बीते वर्ष देश में कुल 164033 लोगों ने आत्महत्या की, जिनमें से 118979 पुरुष, 45026 महिलाएं और 28 ट्रांसजेंडर थे। आत्महत्या करने वाली आधी से भी ज्यादा 23178 गृहिणियां थी जबकि 5693 छात्राओं और 4246 दैनिक वेतनभोगी महिलाओं ने आत्महत्या की। गृहिणियों द्वारा आत्महत्या के सर्वाधिक मामले तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में क्रमशः 3221, 3055, 2861 दर्ज किए गए, जो गृहिणियों द्वारा की गई आत्महत्या के मामलों का क्रमशः 13.9, 13.2 और 12.3 फीसदी है। आत्महत्या के मामलों में महिला पीड़ितों का अनुपात दहेज जैसे विवाह संबंधी मुद्दों, नपुंसकता और बांझपन में अधिक देखा गया। पेशेवर समूहों में स्वरोजगार करने वालों में भी आत्महत्या के मामले करीब 16.73 फीसदी बढ़े हैं। देश में 2020 में आत्महत्या के कुल 153052 मामले दर्ज हुए थे और 2021 में आत्महत्या की दर में 7.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक 33.2 फीसदी लोगों ने पारिवारिक समस्याओं के कारण जबकि 18.6 फीसदी ने बीमारी के कारण मौत को गले लगाया। आत्महत्या के अन्य मुख्य कारणों में 6.4 फीसदी मादक पदार्थों का सेवन और शराब की लत, 4.8 फीसदी विवाह संबंधी मुद्दे, 4.6 फीसदी प्रेम प्रसंग, 3.9 फीसदी दिवालियापन या कर्ज, 2.2 फीसदी बेरोजगारी, 1.6 फीसदी पेशेवर कैरियर की समस्या, 1.1 फीसदी गरीबी और 1 फीसदी परीक्षा में असफलता शामिल रहे। आत्महत्या करने वालों में 18-30 वर्ष से कम आयु वर्ग के 34.5 फीसदी और 30-45 वर्ष से कम आयु के 31.7 फीसदी लोग शामिल हैं जबकि 18 वर्ष से कम आयु वर्ग के बच्चों में 3233 आत्महत्याएं पारिवारिक समस्याओं के कारण, 1495 प्रेम संबंध और 1408 बीमारी के कारण हुई। एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की सर्वाधिक प्रवृत्ति महाराष्ट्र, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक में देखी गई है। केवल इन पांच राज्यों में ही देशभर में आत्महत्या के कुल मामलों में से 50.4 फीसदी मामले दर्ज हुए जबकि 49.6 फीसदी मामले 23 अन्य राज्यों और 8 केन्द्रशासित प्रदेशों में सामने आए। पिछले एक साल में उपरोक्त पांच राज्यों में क्रमशः 22207, 18925, 14965, 13500, 13056 लोगों ने आत्महत्या की, जो कुल मामलों का क्रमशः 13.5, 11.5, 9.1, 8.2 और 8 फीसदी है। प्रति एक लाख की आबादी पर आत्महत्या के मामलों की राष्ट्रीय दर हालांकि 12 रही लेकिन कुछ राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में स्थिति बेहद चिंताजनक है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में यह दर 39.7, सिक्किम में 39.2, पुडुचेरी में 31.8, तेलंगाना 26.9 और केरल में 26.9 दर्ज की गई। एनसीआरबी की रिपोर्ट में दिहाड़ी मजदूरों और कृषि श्रमिकों की आत्महत्या के मामले भी मन को विचलित करने वाले हैं। रिपोर्ट में यह चिंताजनक खुलासा हुआ है कि देशभर में आत्महत्या करने वालों में सबसे ज्यादा 25 फीसदी लोग दिहाड़ी मजदूर ही थे। 2020 में जहां कुल 33164 दिहाड़ी मजदूरों ने जीवन की परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का रास्ता चुना, वहीं 2021 में कुल 42004 दिहाड़ी मजदूरों ने खुदकुशी की। कृषि क्षेत्र से संबद्ध कुल 10881 लोगों ने आत्महत्या की, जो कुल मामलों का 6.6 फीसदी है। इनमें 2019 में 5957 और 2020 में 5579 किसानों की आत्महत्या के मुकाबले यह आंकड़ा 2021 में कम होकर 5318 दर्ज हुआ लेकिन कृषि श्रमिकों में आत्महत्या की दर लगातार बढ़ रही है। 2021 में कुल 5563 कृषि श्रमिकों ने आत्महत्या की और उनकी आत्महत्या की दर 2020 के मुकाबले 9 फीसदी और 2019 के मुकाबले 29 प्रतिशत अधिक रही। बीते वर्ष के दौरान हर दो घंटे में कम से कम एक कृषि श्रमिक ने मौत को गले लगाया। एनसीआरबी की रिपोर्ट में कहा गया है कि विगत दो वर्षों के दौरान जब कई आर्थिक गतिविधियां बंद हो गई और शहरों से गांवों की ओर पलायन हुआ, तब कई दिहाड़ी मजदूरों ने कृषि श्रमिक के रूप में भी काम किया क्योंकि उनके आय के अन्य स्रोत बंद थे। एनसीआरबी ने अपनी रिपोर्ट में आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याओं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याओं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि को मुख्य कारण माना है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुपया बढ़त के साथ ही 79.79 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया बढ़त के साथ ही 79.79 प्रति डॉलर पर बंद हुआ है। सप्ताह के पहले ही दिन अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया आठ पैसे बढ़कर 79.79 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं डॉलर के मजबूत होने से रुपये की तेजी पर रोक लगी है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 79.84 पर खुला और 79.79 रुपये के उच्चस्तर और 79.90 के निचले स्तर तक पहुंचने के बाद अंत में आठ पैसे की तेजी के साथ 79.79 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इसी बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.28 फीसदी ऊपर आकर 109.83 पर पहुंच गया।

आरपावर और उसकी सहायक वर्डे पार्टनर्स से लेगी कर्ज

नई दिल्ली। रिलायंस पावर और उसकी सहायक कंपनी ने वर्डे पार्टनर्स के साथ 1,200 करोड़ रुपए तक कर्ज लेने के लिए एक समझौता किया है। रिलायंस पावर ने शेयर बाजार को बताया कि कंपनी और उसकी सहायक इकाई ने कुछ ऋणों के पुनर्गठन एवं अन्य उद्देश्यों के लिए वर्डे पार्टनर्स से 1,200 करोड़ रुपए तक कर्ज लेने के लिए एक सांकेतिक सहमति पत्र (एमओयू) पर दस्तखत किए हैं।वर्डे पार्टनर्स एक प्रमुख वैश्विक वैकल्पिक निवेश फर्म है, जो ऋण एवं ऋण से संबंधित परिसंपत्तियों में विशेषज्ञता रखती है।

केपीआई गुजरात में बिजली परियोजना स्थापित करेगी

नई दिल्ली । केपीआई ग्रीन एनर्जी गुजरात मिश्रित बिजली योजना 2018 के तहत भावनगर में कुल 16.10 मेगावाट की हरित मिश्रित परियोजना स्थापित कर रही है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि मिश्रित बिजली परियोजना में भावनगर के भुंगर साइट पर विकसित होने वाली पवन और सौर क्षमता शामिल है। कंपनी ने कहा कि उसने विभिन्न कॉरपोरेट पक्षों के साथ मिश्रित बिजली परियोजना से पैदा होने वाली बिजली की बिक्री के लिए दीर्घकालिक पीपीए (बिजली खरीद समझौता) किए हैं। यह परियोजना मार्च 2023 में चालू हो सकती है।

बायजू एक सप्ताह के भीतर जुटा सकती है 50 करोड़ डॉलर

नई दिल्ली । शिक्षा प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी बायजू 23 अरब डॉलर के मूल्यांकन पर एक हफ्ते के भीतर 50 करोड़ डॉलर (करीब 3,9000 करोड़ रुपए) जुटाने की तैयारी में है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुतो बिक इस वित्तपोषण की मदद से कंपनी की अमेरिका में अधिग्रहण करने की योजना है। बताया जा रहा है कि 40-50 करोड़ डॉलर का वित्तपोषण जुटाने के लिए कंपनी की अबू धाबी के सॉवेरन वेल्थ फंड्स और कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी से बातचीत अग्रिम दौर में पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि कंपनी 23 अरब डॉलर के मूल्यांकन पर हफ्ते भर में 50 करोड़ डॉलर का वित्त जुटा सकती है। हालांकि इस बारे में बायजू ने कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

शेयर बाजार भारी उछाल के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को भारी उछाल के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में यह तेजी रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में अच्छी खरीददारी से आई है। इससे बीएसई सेंसेक्स 442 अंक से ऊपर आकर एक बार फिर 59,000 अंक के ऊपर निकल गया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 442.65 अंक करीब 0.75 फीसदी उछलकर 59,245.98 अंक पर बंद हुआ जबकि कारोबार के दौरान एक समय यह 504.92 अंक तक उछला था। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 126.35 अंक तकरीबन 0.72 फीसदी बढ़कर 17,665.80 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सन फार्मा, आईटीसी, एनटीपीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टुब्रो, टाटा स्टील, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। इसके विपरीत नेस्ले, अल्ट्राटेक सीमेंट, विप्रो, पावरग्रिड, एशियन पेंट्स और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर गिरे हैं। वहीं अन्य एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग नीचे आये हैं जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट फायदे में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों की बात करें तो वहां शुरुआती कारोबार में गिरावट रही। इसके अलावा अमेरिकी बाजार में शुक्रवार को गिरावट थी।

सोने , चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली ।

दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार को सोना और चांदी की कीमतों में उछाल आया है। सोना 113 रुपये बढ़कर 50,985 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं गत कारोबारी सत्र में सोना 50,872 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। सोने की ही तरह चांदी भी 428 रुपये ऊपर आकर 53,980 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। वहीं दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी का भाव स्थिर बना रहा। यह 1,711 डॉलर प्रति औंस और 18.15 डॉलर प्रति औंस पर था। न्यूयॉर्क स्थित जिंस एक्सचेंज कॉमेक्स में सोने की हाजिर कीमत 1,711 डॉलर प्रति औंस थी, जिससे यहां सोने की कीमतों में मामूली गिरावट आई।

क्या टाइपिंग की गलती से दौड़ सुजलान एनर्जी के शेयर

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार के चर्चित शेयरों में शामिल सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में सोमवार को तूफानी तेजी देखने को मिली है। सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड के शेयर सोमवार के शुरुआती कारोबारी सत्र में बीएसई पर 20 प्रतिशत अपर सर्किट के साथ 10.57 रुपए तक पहुंच गया। पिछले कुछ दिनों से इस स्टॉक में तेजी देखने को मिल रही है। पिछले पांच कारोबारी सत्रों में यह शेयर लगभग 26 प्रतिशत से अधिक की तेजी दिखा चुका है। पिछले एक माह में सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में लगभग 37 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। बीएसई पर यह एनर्जी स्टॉक सोमवार को 19.98 फीसदी चढ़कर अपर सर्किट पर था। पिछले एक हफ्ते में यह लगभग 32 फीसद चढ़ चुका है। मार्केट में इस पेनी स्टॉक के तौर पर माना जाता है। सुजलॉन के शेयरों में सोमवार को आई तेजी की वजह एसबीआई कैपिटल मार्केट्स ट्रस्टी का स्पष्टीकरण माना जा रहा है। ट्रस्टी ने स्पष्ट किया है कि उसके पास जो अतिरिक्त शेयर हैं, वह अडानी ग्रीन एनर्जी के नहीं बल्कि सुजलॉन एनर्जी के हैं। इसके पहले एसबीआई ट्रस्टी ने कहा था कि उसके पास जो अतिरिक्त शेयर हैं वे अडानी ग्रीन एनर्जी के हैं। अब ट्रस्टी ने कहा है कि वहां एक टाइपिंग गलती थी। इस स्पष्टीकरण की खबर बाहर आने के बाद सुजलॉन के शेयरों में जोरदार खरीदारी देखने को मिली और स्टॉक में अपर सर्किट लग गया। सुजलॉन एनर्जी ने 5 सितंबर को एक्सचेंज को सूचित किया कि एसबीआई ट्रस्टी ने प्रमोटर्स के शेयरों को लेकर एक ऐलान किया था जिसकी वजह से कन्फ्यूजन की स्थिति बन गई थी।

भारत में डाटा खपत का आंकड़ा 100 गुना बढ़कर 15.8 जीबी प्रतिमाह प्रतिग्राहक

- जियो आने से पहले हर भारतीय एक महीने में मात्र 154 एमबी डाटा इस्तेमाल किया करता था

नई दिल्ली ।

भारत में पिछले छह सालों में प्रति व्यक्ति प्रति माह डाटा की खपत में 100 गुना से भी अधिक की वृद्धि हुई है और यह वृद्धि रिलायंस जियो की वजह से हुई है। ट्राई के मुताबिक जियो के लॉन्च से पहले हर भारतीय ग्राहक एक महीने में मात्र 154 एमबी डाटा इस्तेमाल किया करता था। अब डाटा खपत का आंकड़ा 100 गुना बढ़कर 15.8 जीबी प्रतिमाह प्रतिग्राहक के आश्चर्यजनक स्तर पर जा पहुंचा है। वहीं जियो यूजर्स हर महीने करीब 20 जीबी डाटा इस्तेमाल करते हैं जो इंडस्ट्री के आंकड़े से काफी अधिक है। रिलायंस ने छह साल पहले जियो को लॉन्च किया था। उधर, रिलायंस इंडस्टीज के अध्यक्ष मुकेश अंबानी ने दीवाली तक 5जी लॉन्च की घोषणा कर दी है। कयास लगाए जा रहे हैं कि 5जी लॉन्च के बाद डाटा खपत में खासा उछाल देखने को मिल सकता है। हालिया जारी एक रिपोर्ट में अनुमान में बताया गया है कि 5जी आने के बाद डाटा खपत अगले तीन साल में 2 गुना से भी अधिक बढ़ जाएगी। जानकारों का मानना है कि 5जी तकनीक की हाई परफॉर्मेंस और हाई स्पीड की बदौलत नए उद्योग धंधे पनपेंगे जो बड़ी संख्या में यूजर्स को अपनी तरफ आकर्षित करेंगे। साथ ही वीडियो की मांग में भी तेज वृद्धि संभव है, जिससे डाटा की मांग और भी बढ़ेगी। रिलायंस जियो का रिकॉर्ड 4जी तकनीक और स्पीड में शानदार रहा है। अब 5जी को लेकर भी कंपनी के बड़े प्लान सामने आ रहे हैं। कनेक्टिड ड्रोन, कनेक्टिड एंबुलेंस- अस्पताल, कनेक्टिड खेत-खलिहान, कनेक्टिड स्कूल-कॉलेज, ईकॉमर्स ईज,अविश्वसनीय स्पीड पर-एंटरटेनमेंट, रोबोटिक्स, क्लाउड पीसी, इमर्सिव टेक्नोलॉजी के साथ वर्चुअल थिंग्स जैसी तकनीकों में कंपनी महारथ हासिल कर रही है। जियो देश की ही नही दुनिया की सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनियों में शुमार हो जाएगी। आज जियो भारत में 41 करोड़ 30 लाख मोबाइल तथा करीब 70 लाख जियोफाइबर ग्राहकों के साथ 36 फीसदी बाजार के हिस्से पर काबिज है। राजस्व के मामले में इसका हिस्सा 40.3 प्रतिशत है। जियो की स्वदेशी 5जी तकनीक की बदौलत, आने वाले वक्त में क्या बदलाव आएंगे या आ सकते हैं, इसकी तस्वीर कंपनी के पिछले 6 सालों की उपलब्धियों में दिखाई देती है।

फिक्स्ड रिटर्न योजनाओं में निवेश करने वाले के लिए खुशखबरी, पेंशन स्कीम में फिक्स्ड रिटर्न

नई दिल्ली ।

फिक्स जमा योजनाओं में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए पीएफआरडीए एनपीएस के अंतर्गत एक एश्योर्ड रिटर्न इंवेस्टमेंट प्लान लॉन्च करने की तैयारी में है। जल्द इसे निवेशकों के लिए पेश किया जाएगा। पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) के चेयरपर्सन सुप्रतिम बंदोपाध्याय ने कहा कि पीएफआरडीए इस महीने के अंत तक इसे अंतिम रूप दे देगा। हालांकि इसे लॉन्च होने में थोड़ा समय लग सकता है। उन्होंने कहा कि हमने पेंशन फंड मैनेजर्स के साथ दो-तीन राउंड बातचीत की है। हम इस पर काम कर रहे हैं। यह अपने आप में एक नई स्कीम है, जिसमें थोड़ा समय लग सकता है। जैसा कि इसके नाम से पता चलता है, इस योजना का उद्देश्य निवेशकों को न्यूनतम गारंटीड रिटर्न देना है। लेकिन अभी तक नियामक ने इसके स्केल को लेकर कोई भी जानकारी नहीं दी है। इसके बारे में बताते हुए सुप्रतिम बंदोपाध्याय ने कहा कि हम सभी विकल्पों को खुला रख रहे हैं। यह या तो किसी निर्धारित प्रतिशत का निश्चित रिटर्न हो सकता है या यह रीयल-टाइम बेंचमार्क से संबंधित हो सकता है, जैसे एक साल के ट्रेजरी बिल में होता है, या फिर दोनों विकल्प हो सकते हैं। बंदोपाध्याय ने कहा कि हमारी पूरी कोशिश है कि इस वित्त वर्ष में ही हम इस स्कीम को लॉन्च करें। बाजार में निवेशकों के बीच इस तरह की स्कीम को लेकर रुचि है। बाजारों में हमेशा उठापटक बनी रहती है। दो साल पहले कोविड आया था और आने वाले समय में कुछ और भी हो सकता है। पीएफआरडीए मौजूदा समय में देश में लोकप्रिय दो फ्लैगशिप पेंशन स्कीम-नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई)चलाता है। एनपीएस औपचारिक क्षेत्र के कर्मचारियों की जरूरतें पूरी करता है। वहीं, एपीवाई अनौपचारिक क्षेत्र के लोगों की पेंशन की जरूरतों को पूरा करने के लिए है। बता दें, पिछले 13 साल में पीएफआरडीए, पेंशन इंवेस्टमेंट स्कीम के तहत अपने निवेशकों को औसत 10 फीसद का रिटर्न दे चुका है।

भारत में सेवा क्षेत्र अगस्त में बेहतर स्थिति में

नई दिल्ली ।

भारत में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां में सुधार जारी है तथा अगस्त 2022 के दौरान नए कारोबार में मजबूत बढ़त, मांग में सुधार और रोजगार सृजन के चलते स्थिति बेहतर हुई है। एक मासिक सर्वेक्षण ने सोमवार को यह बात कही गई। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक अगस्त में बढ़कर 57.2 हो गया। यह सूचकांक जुलाई में चार महीने के निचले स्तर 55.5 पर था। इस दौरान कारोबारी गतिविधियों में तेज उछाल देखा गया तथा रोजगार के मोर्चे पर 14 वर्षों में सबसे तेज वृद्धि हुई। समीक्षाधीन माह में लगातार 13वें महीने सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में सुधार हुआ। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर के अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार है, जबकि 50 से कम अंक संकुचन को दर्शाता है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की संयुक्त निदेशक पोल्याना डी लीमा ने कहा कि नए कारोबार में बढ़त के चलते गतिविधियों में तेजी आई और कोविड महामारी से संबंधित प्रतिबंधों को हटाने और विपणन प्रयासों से कंपनियों को लगातार लाभ हो रहा है। रोजगार के मोर्चे पर, मजबूत बिक्री और बेहतर वृद्धि अनुमानों के चलते सेवा क्षेत्र में भर्ती में पर्याप्त बढ़ोतरी हुई। सर्वेक्षण में कहा गया कि 14 वर्षों में रोजगार सृजन की दर सबसे मजबूत हो गई है।

मारुति सुजुकी की इलेक्ट्रिक कार अपर सेगमेंट में होगी लॉन्च

-दस लाख रुपये से ज्यादा होगी इलेक्ट्रिक कार की कीमत

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी एक नई इलेक्ट्रिक कार लॉन्च कर सकती है। मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आरसी भार्गव ने कहा कि अपकमिंग इलेक्ट्रिक कार अपर सेगमेंट में लॉन्च की जाएगी। बीते दिनों से चर्चा थी कि मारुति सुजुकी की इलेक्ट्रिक कार किफायती हो सकती है। अंदाजा लगाया जा रहा था कि इसकी कीमत 7.5 लाख रुपये से 10 लाख रुपये के बीच हो सकती है। भार्गव ने कहा, 'आने वाली इलेक्ट्रिक कार की कीमत 10 लाख रुपये से ज्यादा होगी। ईवी उत्पादन गुजरात में सुजुकी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में होगा और हम उम्मीद करते हैं कि वे 2024-25 तक इन्हें भारतीय बाजार में उतार दिया जाएगा।' भार्गव ने इलेक्ट्रिक कार की कीमत स्पष्ट नहीं की, लेकिन पुष्टि की कि पूरी तरह से भारत में बनने के बावजूद कार की कीमत 10 लाख रुपये से कम नहीं होगी। भार्गव का बयान ऐसे समय में आया है जब टाटा मोटर्स और महिंद्रा (एमएंडएम) जैसी वाहन निर्माता कंपनियां तेजी से अपने ईवी पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही हैं। एमजी ऑटो, हुंडई इंडिया और किआ इंडिया जैसी अन्य कंपनियां भी अपनी इलेक्ट्रिक कारों (ई-कार) को लॉन्च करने की तैयारी कर रही हैं। कुल मिलाकर, अगले एक या दो साल में 25 इलेक्ट्रिक कारें भारतीय बाजार में लॉन्च हो सकती हैं। सुजुकी मोटर कॉर्प गुजरात में बैटरी प्लांट लगा रही है।'

मारुति सुजुकी की पैरेंट कंपनी सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन (एसएमसी) ने हाल ही में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए ई-एडवांस केमिस्ट्री सेल बैटरी के निर्माण के लिए गुजरात में एक प्लांट स्थापित करने के लिए 7,300 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस प्लांट का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 अगस्त को किया था।शेयरधारकों की ओर से पूछे गए सवाल के जवाब में भार्गव ने कहा, 'हमें बाजार में अच्छी ग्राहक स्वीकृति मिलने की उम्मीद है। इन्हें सावधानीपूर्वक डिजाइन और बनाया गया है। बैटरी की वजह से काफी हद तक स्वदेशीकरण होगा।

आयकर विभाग ने कहा- दो सितंबर तक 1.55 लाख अपडेटेड आईटीआर दाखिल किए गए

मुंबई ।

इनकम टैक्स विभाग ने कहा कि 2 सितंबर तक 1.55 लाख से अधिक अपडेटेड इनकम टैक्स रिटर्न जमा किए गए हैं। अपडेटेड इनकम टैक्स रिटर्न भरने के लिए इस साल मई में फॉर्म नोटिफाईड किया था। आईटीआर-यू जमा करने के दौरान टैक्सपेयर्स को ड्यू टैक्स के साथ अतिरिक्त शुल्क का पेमेंट भी करना होगा। इनकम टैक्स` विभाग ने एक ट्वीट में कहा कि दो सितंबर 2022 तक 1.55 लाख से अधिक अपडेटेड इनकम टैक्स रिटर्न जमा हुए हैं। 20,000 से अधिक टैक्सपेयर्स ने असेसमेंट ईयर 2020-21 और 2021-22 (वित्त वर्ष 2019-20 और 2020-21) के लिए आईटीआर-यू दाखिल किए हैं। अगर किसी टैक्सपेयर्स ने ऑरिजिनल, बिलेटेड या रिवाइज्ड रिटर्न फाइल किया हो या नहीं, वह अपडेटेड रिटर्न फाइल कर सकता है। हालांकि इसके लिए कुछ शर्तें हैं, ध्यान देने वाली बात है कि अपडेटेड रिटर्न फाइल करने के लिए टैक्सपेयर्स को भारी जुर्माना चुकाना होता है। अपडेटेड रिटर्न फाइल करने के लिए अलग फॉर्म आता है, जिसे फार्म आईटीआर-यू कहते हैं। आईटीआर रिफंड का स्टेटस टैक्सपेयर्स कई तरीकों से चेक कर सकता है। टैक्सपेयर्स यह काम आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल और एनएसडीएल की वेबसाइट के माध्यम से कर सकते हैं। ई-फाइलिंग पोर्टल पर अकनॉलेजमेंट नंबर और पैन नंबर की सहायता से स्टेटस चेक किया जा सकता है।

ऐपल आईफोन 14 सीरीज़ की लॉन्चिंग अगले सप्ताह

-फोन को 7 सितंबर को किया जाएगा लॉन्च

नईदिल्ली।

जानीमानी कंपनी ऐपल आईफोन 14 सीरीज़ की लॉन्चिंग अगले हफ्ते है। कंपनी ने घोषणा की है कि फोन को 7 सितंबर को लॉन्च किया जाएगा। इवेंट में आईफोन मॉडल के साथ-साथ नए आईपैड मॉडल और ऐपल वॉच सीरीज़ को भी पेश किया जाएगा।

आईफोन 14 सीरीज़ को लेकर काफी समय से चर्चा चल रही है, और अलग-अलग रिपोर्ट में इसे लेकर कई तरह के दावे किए जा रहे हैं।कहा जा रहा है कि इस सीरीज़ मेंआईफोन14,आईफोन14 मैक्स, आईफोन 14 प्रो और आईफोन 14 प्रो मेक्स पेश किए जाएंगे।हालांकि कुछ रिपोर्ट में ये भी सामने आया है कि इवेंट में आईफोन 14 मिनी भी पेश किया जाएगा।हाल ही में एक ऐसी रिपोर्ट सामने आई है, जिससे फोन की कीमत को लेकर खुलासा हुआ है।एक रिपोर्ट के मुताबिकआईफोन13 के मुकाबले आईफोन 14 सस्ती कीमत में पेश किया जाएगा।हालांकि पिछली कई रिपोर्ट में ये सामने आया है कि आईफोन 14 की कीमत आईफोन 13 से ज़्यादा होगी।

बता दें कि आईफोन 13 को यूएस में 799 डालर में, और भारत में इसके 128जीही स्टोरेज के लिए 79,990 रुपये की कीमत में पेश किया गया है।नई रिपोर्ट के मुताबिक आईफोन 14 को डालर 749 में पेश किया जाएगा, जो कि 50 डॉलर सस्ता होगा।लेकिन दूसरी तरफ ये कहना गलत नहीं होगा कि भारत में आईफोन की कीमत हमेशा अमेरिकी कीमत से ज़्यादा रही है, जिसके उच्च आयात शुल्क, 18 प्रतिशत जीएसटी जैसे कई कारण हैं.इसके अलावा इस बार आईफोन में जो खास फीचर देखे जाने की उम्मीद है वह ये है कि इस बार आईफोन 14 में सैटेलाइट फीचर मिल सकता है।

ईडी की जांच के दायरे में आए किसी भी मर्चेंट से हमारा संबंध नहीं: पेटीएम

नई दिल्ली ।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी को लेकर डिजिटल पेमेंट एंड फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनी पेटीएम ने सफाई दी है। पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड ने उन मर्चेंट से किसी भी तरह का संबंध होने से इनकार किया जो चीनी लोन ऐप मामले में ईडी की जांच के दायरे में हैं। कंपनी ने कहा कि ईडी ने जिन फंड पर भी रोक लगाई हैं उनमें से कोई भी ग्रुप या ग्रुप की किसी कंपनी से संबंधित नहीं है।

पेटीएम ने रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा कि कुछ मर्चेंट के खिलाफ जारी जांच के सिलसिले में ईडी ने उन मर्चेंट से जुड़ी जानकारियां मांगी थी जिन्हें हम पेमेंट प्रोसेसिंग सॉल्यूश देते हैं।

हम यह स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि ये मर्चेंट इंडिपेंडेंट एंटिटीज हैं और इनमें से कोई भी हमारे ग्रुप की एंटिटीज नहीं है। ईडी ने शनिवार को कहा था कि चीनी नागरिकों के नियंत्रण वाले ऐप आधारित इंस्टैंट लोन आवंटन में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में ऑनलाइन पेमेंट प्लेटफर्म रेजरपे, पेटीएम और कैशफ्री के बेंगलुरु स्थित परिसरों पर छापेमारी की गई है। पेटीएम ने कहा कि ईडी ने कुछ मर्चेंट निकायों की मर्चेंट आईडी से कुछ राशि पर रोक लगाने का निर्देश दिया था।

प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि छापेमारी में चीन के व्यक्तियों द्वारा नियंत्रित इन कंपनियों के मर्चेंट आईडी और बैंक खातों'' में जमा 17 करोड़ रुपये जब्त किए गए हैं. एजेंसी ने आरोप लगाया कि ये कंपनियां भारतीय नागरिकों के फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल करके उन्हें फर्जी तरीके से डायरेक्टर बनाती हैं जबकि इन कंपनियों का नियंत्रण और परिचालन चीन के लोग करते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उप राष्ट्रपति धनखड़ से मिली पुरुष वॉलीबॉल टीम

नयी दिल्ली। एशियाई वॉलीबॉल चैम्पियनशिप में हाल में रजत पदक जीतने वाली भारत की पुरुष वॉलीबॉल अंडर-20 टीम ने बुधवार को यहां उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की। उप राष्ट्रपति सचिवालय ने ट्वीट करके कहा धनखड़ ने पिछले दो दशक में पहला पदक जीतने पर टीम को बधाई और भविष्य के टूर्नामेंटों के लिए शुभकामनाएं दी। भारतीय टीम ने बहरीन के रिफा में एशियाई अंडर-20 वॉलीबॉल चैंपियनशिप में फाइनल में जगह बनाई थी जहां उसे ईरान से 1-3 (12-25, 19-25, 25-22, 15-25) से हार का सामना करना पड़ा था। भारत ने सेमीफाइनल में थाईलैंड को 3-1 (25-21, 23-25, 25-18, 25-17) से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। उप राष्ट्रपति सचिवालय ने इस मुलाकात की तस्वीरें और बातचीत का वीडियो भी जारी किया है।

भारतीय टीम आज सुपर-फोर में श्रीलंका के खिलाफ हर हाल में जीत के इरादे से उतरेगी

दुबई ।

भारतीय क्रिकेट टीम मंगलवार को सुपर-फोर के अपनी दूसरे मैच में श्रीलंका का सामना करेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच में बड़ी जीत दर्ज कर एशिया कप के फाइनल के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना रहेगा। इस मैच में हार भारतीय टीम की संभावनाएं समाप्त कर देगी। सुपर-फोर के पहले मैच में भारतीय टीम को पाकिस्तान के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। इसलिए इस दूसरे मुकाबले में उतरते समय उसपर दबाव रहेगा। वहीं दूसरी ओर श्रीलंकाई टीम ने अपने सुपर फोर के पहले मैच में अफगानिस्तान को हराया था। ऐसे में उसका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। इस मुकाबले में टॉस की भी अहम भूमिका रहेगी। अब तक देखा गया है कि श्रीलंकाई टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए सफल रही है। उसने इस टूर्नामेंट में अबतक बांग्लादेश के खिलाफ 184 और अफगानिस्तान के खिलाफ 176 रनों के लक्ष्य को आसानी से हासिल किया था। भारतीय टीम को श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ की गयी गलतियों से बचना होगा। पाक के खिलाफ मुकाबले में भारत ने अच्छी शुरुआत के बाद भी लगातार विकेट गंवाये जिससे वह बड़ा स्कोर नहीं बना पायी। इसके बाद गेंदबाजी भी उम्मीद के अनुसार नहीं रहने और क्षेत्ररक्षण कमजोर होने से भारतीय टीम के हाथों से मैच निकल गया। अब भारत को फाइनल में पहुंचने श्रीलंका पर अच्छे अंतर से जीत हासिल करनी होगी क्योंकि अंक बराबर रहने पर जीत का अंतर भी अहम होगा। भारतीय टीम को इन गलतियां से बचना होगा। पाक के खिलाफ भारतीय टीम को रोहित ने अच्छी शुरुआत दिलाई थी पर लगातार बड़े शॉट लगाने के प्रयास में वह अपना विकेट खो बैठे। इसके बाद लोकेश राहुल भी आउट हो गये। सूर्यकुमार यादव ने भी आते ही शॉट लगाने शुरु कर दिये पर वह भी इसी प्रयास में बाउंड्री पर कैच हो गये। ऋषभ पंत ने भी इसी सिलसिले को आगे बढ़ाया और अपना विकेट स्वीप शॉट खेलने में गंवा दिया। ऐमें में भारतीय टीम वैसा स्कोर नहीं बना पायी जो शुरुआत को देखकर सोचा गया था। अब श्रीलंका के खिलाफ भारतीय टीम को इस प्रकार की गलतियों से बचना होगा। पाक के खिलाफ मैच में भारतीय टीम रवींद्र जडेजा के बिना उतरी भी। जडेजा चोटिल होने के कारण एशिया कप से बाहर हो गये हैं। उसका भी नुकसान टीम को हुआ। इस कारण अंतिम ग्यारह में भी बदलाव करना पड़ा। पाक के खिलाफ दिनेश कार्तिक को अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिल पायी थी।

यूएस ओपन : गॉफ, जब्योर ने क्वार्टरफाइनल में किया प्रवेश

न्यूयॉर्क ।

अमरीका की युवा सनसनी कोको गॉफ ने चीन की झांग शुआई की कड़ी चुनौती को पार करते हुए पहली बार यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। गॉफ ने रविवार को तीसरे दौर के मुकाबले में 33 वर्षीय झांग पर सीधे सेटों में 7-5, 7-5 से जीत दर्ज की। 18 वर्षीय गौफ 2009 के बाद से यहां क्वार्टरफाइनल तक पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की अमरीकी महिला है। इस साल की शुरुआत में रोलां गैरो में अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में जगह बनाने वाली गॉफ सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए फ्रांस की 17वीं सीड कैरोलिन गार्सिया का सामना करेंगी। इसी बीच ऑस्ट्रेलिया के अजला टॉमलानोविक और ऑन्स जब्योर ने पहले सेट में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए अपने-अपने प्री-क्वार्टरफाइनल मुकाबले जीते। डब्ल्यूटीए दिग्गज सेरेना विलियम्स को तीसरे दौर में हराने वाली टॉमलानोविक ने लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में ल्यूडमिला सैमसोनोवा को 7-6 (8), 6-1 से हराकर लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। ट्यूनीशिया की पांचवीं वरीयता प्राप्त जब्योर ने भी पहले सेट में 2-5 से पिछड़ने के बाद वापसी की और 18वीं सीड वेरोनिका कुदेरमेटोवा को 7-6(1), 6-4 से शिकस्त दी। यह ट्यूनीशियाई खिलाड़ी की कुदेरमेटोवा पर चार मुकाबलों में पहली जीत है। टॉमलानोविक और जब्योर सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए मंगलवार को एक दूसरे का मुकाबला करेंगी।

अंडर 17 विश्व कप से भारत में महिला फुटबॉल की लोकप्रियता बढ़ेगी : कप्तान

नई दिल्ली । भारतीय सीनियर राष्ट्रीय टीम की कप्तान आशालता देवी ने कहा है कि अगले माह 11 से 30 अक्टूबर के बीच देश में होने वाले फीफा अंडर 17 विश्व कप से भारत में महिला फुटबॉल की लोकप्रियता बढ़ेगी। आशालता के अनुसार इससे भारत महिला फुटबॉल का बड़ा केंद्र बनेगा जबकि अभी कई लोगों को महिला फुटबॉल के बारे में जानकारी तक नहीं है। वहीं टीवी प्रसारण से लोग इसके बारे में जानेंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय महिला फुटबॉल के भविष्य के लिये यह एक अच्छा अवसर है। उन्होंने प्रशंसकों से बड़ी संख्या में स्टेडियम में आकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने को भी कहा है। उन्होंने कहा कि फीफा अंडर 17 महिला विश्व कप 2022 को आपके सहयोग की जरूरत है। इसके खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन की ओर प्रेरित होंगे। साथ ही कहा कि अब महिला फुटबॉल को लेकर लोगों की सोच बदली है जबकि पहले लोग यह मान ही नहीं कर पाते थे कि लड़कियां भी फुटबॉल खेल सकती है पर अब मेरे घर के आसपास सभी मेरा समर्थन करते हैं। जब भी मैं घर जाती हूं तो मेरा भव्य स्वागत होता है।

भारत के इंटरनेशनल, घरेलू मैचों के लिए पेटीएम की जगह मास्टरकार्ड ने ली

नई दिल्ली।

वैश्विक भुगतान और प्रौद्योगिकी कंपनी मास्टरकार्ड ने सोमवार को मोबाइल भुगतान और वित्तीय सेवा कंपनी पेटीएम की जगह ले ली। जिनके पास भारत के सभी अंतरराष्ट्रीय मैचों (महिला और पुरुष दोनों) के लिए शीर्षक प्रायोजक के रूप में सात साल तक अधिकार थे। इस सौदे में भारत में आयोजित सभी जूनियर क्रिकेट (अंडर-19 और अंडर-23) मैचों के अलावा घरेलू क्रिकेट मैच और ईरानी ट्रॉफी, दलीप ट्रॉफी और बीसीसीआई द्वारा आयोजित रणजी ट्रॉफी जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'BCCI 2022-23 सीजन के लिए घरेलू क्रिकेट मैचों के शीर्षक प्रायोजक के रूप में मास्टरकार्ड का स्वागत कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय घरेलू श्रृंखला के साथ, बीसीसीआई के घरेलू टूर्नामेंट महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वे भारत को एक मजबूत अंतरराष्ट्रीय टीम बनाने की दिशा में एक कदम है।' बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा, 'बीसीसीआई वास्तव में भारतीय क्रिकेट के निर्माण में मास्टरकार्ड के समर्थन को महत्व देता है। यह एक अच्छा तरीका है और हम इस साझेदारी के माध्यम से प्रशंसकों के लिए कुछ नए अनुभवों की आशा करते हैं।' अगस्त 2019 में, पेटीएम ने 2019-23 के घरेलू सेशन के लिए शीर्षक प्रायोजन अधिकार जीते थे। पेटीएम द्वारा लगाई गई बोली 326.80 करोड़ रुपये की थी, जो प्रति मैच 3.8 करोड़ रुपये थी। पेटीएम ने पहली बार 2015 में BCCI के साथ चार साल के लिए 203 करोड़ रुपये में एक टाइटल स्पॉन्सरशिप डील साइन की थी, जिसमें प्रति मैच 2.4 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा, 'बीसीसीआई एक वैश्विक ब्रांड मास्टरकार्ड के साथ जुड़कर काफी खुश है। हम भारतीय क्रिकेट में समय - समय पर रोमांच लाते रहना चाहते हैं। क्योंकि हमारे पास ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका टी20 विश्व कप और श्रीलंका, न्यूजीलैंड से पहले सफेद गेंद की श्रृंखला के लिए आ रहे हैं।'

मास्टरकार्ड के ब्रांड एंबेसडर रहे भारत के पूर्व कप्तान और विकेटकीपर एमएस धोनी ने कहा, 'क्रिकेट मेरा जीवन रहा है और इस ने मुझे वह सब कुछ दिया है जो मेरे पास है। मैं खुश हूं कि मास्टरकार्ड सभी घरेलू क्रिकेट मैचों को प्रायोजित कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

विराट ने इसलिए बल्लेबाजी की रफ्तार घटायी

दुबई । भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ सुपर फोर मैच में तेजी से रन बनाने के प्रयास किये थे पर बाद में उनकी गति धीमी हो गयी थी। अब विराट ने इसका कारण बताते हुए कहा है कि अगर कुछ और बल्लेबाज बचे होते तो वह तेजी से खेलते रहते पर लगातार विकेट गिरने के कारण उन्हें अपनी गति धीमी करनी पड़ी। कोहली ने इस मैच में 44 गेंद में 60 रन बनाये। उन्होंने कहा कि हालातों के अनुसार उन्हें अंत तक बल्लेबाजी करनी थी। उन्होंने कहा,''अगर कुछ बल्लेबाज होते तो मैं उसी रफ्तार से बल्लेबाजी करता और कुछ और चौके छक्के लगाता. पर मैं उन स्थिति में पहुंच गया था जिसमें मुझे अंत तक टिके रहना था।'' उन्होंने कहा,''दीपक हुड्डा और मेरे बाद भुवनेश्वर कुमार और अन्य गेंदबाज ही बचे थे। ऐसे में हमें हालात के अनुरूप खेलना था। हम ठीक-ठाक स्कोर तक पहुंच गये थे , बीच के ओवरों में हमारा रनरेट भी बेहतर हो गया था। अब आगे के मैचों में हमें इस बात का ध्यान रखना होगा कि बीच के ओवरों में विकेट गिरने पर भी रनगति धीमी न हो।

अर्शदीप के विकिपीडिया पेज से छेड़छाड़ के मामले में आईटी विभाग ने नोटिस दिया

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह एशिया कप के सुपर-फोर में एक कैच नहीं पकड़ पाने के कारण पाकिस्तानियों के दुष्प्रचार का शिकार बन गये। अर्शदीप इस मैच में पाक फिनिशर आसिफ अली का एक आसान कैच नहीं पकड़ पाये। अर्शदीप ने जब आसिफ का कैच छोड़ा उस दौरान वह एक भी रन नहीं बना पाये थे। बाद में आसिफ ने आठ गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाकर 16 रनों की अहम पारी खेलकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद से ही अर्शदीप पाक के सोशल मीडिया यूजर्स के निशाने पर आ गए हैं। पाक से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कई पोस्ट में उन्हें खालिस्तानी कहा गया। यहां तक कि उनके विकिपीडिया पेज से भी छेड़छाड़ का प्रयास करते हुए उन्हें यहां खालिस्तान पंजाब का हिस्सा बताया गया है। अब सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने अर्शदीप के विकिपीडिया पेज को एडिट कर 'खालिस्तान' के साथ जोड़े पर गंभीर रुख अपनाते हुए इस मामले में विकिपीडिया के अधिकारियों को नोटिस देते हुए जवाब मांगा है। मंत्रालय ने अर्शदीप के पेज को खालिस्तान से जोड़े जाने और उस सामग्री के सार्वजनिक रुप से दिखने को लेकर भी विकिपीडिया अधिकारियों से जवाब मांगा है। गृह मंत्रालय के अधिकारियों से कहा है कि वह इस मामले में स्पष्टीकरण के साथ उनसे आकर मिलें और इसका कारण बताये।

टेस्ट कप्तानी छोड़ने के बाद सिर्फ धोनी ने मुझे मैसेज किया: विराट कोहली

दुबई ।

भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने उस समय को याद किया जब उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के बाद जनवरी 2022 में टेस्ट कप्तानी छोड़ी थी और कहा कि पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी ही एकमात्र व्यक्ति थे जिन्होंने उनके फैसले के बाद उन्हें मैसेज किया था। कोहली ने रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप मैच के बाद मीडिया से बातचीत में कहा, जब मैंने टेस्ट कप्तानी छोड़ी, तो मुझे केवल एक व्यक्ति ने मैसेज किया, जिसके साथ मैं पहले खेल चुका हूं, और वह है एमएस धोनी। उन्होंने कहा, कई लोगों के पास मेरा नंबर है, और कई लोग हैं जो टीवी पर सुझाव देते रहते हैं लेकिन मुझे उनमें से किसी का मैसेज नहीं मिला। इसलिए जब किसी व्यक्ति के साथ संबंध काफी वास्तविक होता है, तो वह ऐसे में सामने आता है क्योंकि दोनों तरफ सुरक्षा की भावना है। कोहली ने कहा, न तो मुझे उनसे कुछ चाहिए, न ही वह मुझसे कुछ चाहते हैं। और न ही मैं कभी उनसे असुरक्षित था और न ही वह मुझसे किसी बात को लेकर असुरक्षित थे। उन्होंने आगे कहा कि अगर कोई वास्तव में उनकी मदद करने में दिलचस्पी रखता है, तो वे उनसे व्यक्तिगत रूप से संपर्क करते। कोहली ने कहा, अगर उनकी आलोचना वास्तविक होती, तो वे मुझे व्यक्तिगत रूप से संदेश भेज सकते थे। जिस तरह से मैं अपना जीवन ईमानदारी के

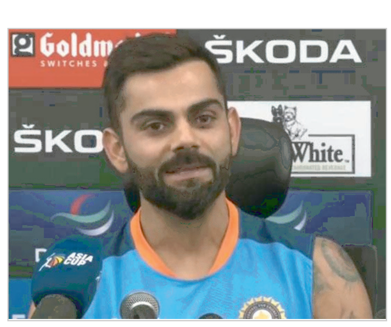

साथ जीता हूं, मैं उस व्यक्ति के साथ आमने-सामने बात करता था जिसकी मैं मदद करना चाहता था। इससे पहले रविवार को कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक अर्धशतक लगाने के रिकॉर्ड की बराबरी की। कोहली ने अपना 32वां टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक (44 रन पर 60 रन) बनाया। उन्होंने पिछले साल इसी स्थान पर आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप मैच में भी पाकिस्तान के खिलाफ अर्धशतक बनाया था।

बिश्नोई ने अपने प्रदर्शन से ध्यान खींचा , चहल ने किया निराश

दुबई । टीम इंडिया के युवा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने यहां एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ हुए दूसरे मुकाबले में शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान खींचा है। बिश्नोई ने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। बिश्नोई को शुरुआत में ही शीर्ष क्रम के खिलाफ गेंदबाजी के लिए उतारा गया पर उन्होंने बिना किसी दबाव के अपना कौशल दिखाते हुए पाक कप्तान बाबर आजम को आउट कर कप्तान के भरोसे को कायम रखा। वहीं इस मैच में दूसरे स्पिनर के तौर पर युजवेंद्र चहल को अवसर मिला था पर वह प्रभावी नहीं रहे। चहल ने इस साल 15 टी20 मुकाबलों में केवल 16 विकेट लेने के लिए काफी रन लुटा दिये। एशिया कप के तीन मुकाबलों में चहल सिर्फ एक विकेट ले पाये हैं। पाक के खिलाफ पहले मुकाबले में भी चहल ने 4 ओवर में 32 रन दिये थे। इसके बाद हांगकांग के खिलाफ वह विकेट नहीं ले पाये थे। की पाक के खिलाफ दूसरे मैच में उन्होंने एक विकेट लिया पर 43 रन दे दिये। अनुभवी ऑफ स्पिनर अश्विन पिछले कुछ समय में टीम इंडिया में शामिल तो रहते हैं पर चहल के कारण उन्हें अंतिम एकादश में जगह नहीं मिल रही थी पर जिस प्रकार चहल उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। उसको देखते हुए अश्विन को अगले मैच में अवसर मिल सकता है। है. अश्विन ने भारत की तरफ से 54 टी20 मुकाबलों में 64 विकेट लिए हैं। इसके अलावा उनका इकॉनामी रेट भी 6.78 का है।

शुरुआत में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज थे नवाज

दुबई । एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारतीय टीम के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाले पाकिस्तानी ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज ने क्रिकेट के लिए पढ़ाई तक छोड़ दी थी। नवाज ने स्कूली पढ़ाई छोड़ने के बाद एक ऑलराउंडर के रूप में अपनी पहचान बनायी है। वह गेंदबाज, बल्लेबाज के साथ-साथ अच्छे फील्डर भी हैं। नवाज ने अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत बाएं हाथ के तेज गेंदबाज के रूप में की थी। इसके साथ ही वह मध्य क्रम में बल्लेबाजी भी करते हैं। नवाज ने साल 2012 में फर्स्ट क्लास डेब्यू के बाद पहले चार सत्र में, तीन शतक और सात अर्धशतकों की सहायता से 1440 रन बनाये थे। इसके साथ ही 24.4 की औसत से 44 विकेट लिए थे। इसके बाद पाकिस्तान सुपर लीग के अपने पहले सत्र में तीसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। इसी कारण से ही उन्हें 2016 के एशिया कप में पाक टी20 टीम में जगह मिली। भारतीय टीम के खिलाफ सुपर-फोर के इस मैच में नवाज एक ऑलराउंडर की भूमिका में नजर आये। इस मैच में नवाज को पाकिस्तान टीम प्रबंधन ने बल्लेबाजी में ऊपर भेजा था। नवाज ने अच्छी बल्लेबाजी कर प्रबंधन के फैसले को सही साबित कर दिया।

जेमिमा रोड्रिग्ज आईसीसी के 'महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' पुरस्कार के लिए नामित

दुबई ।

भारत की स्टार बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिगेज को अगस्त में राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन के लिए सोमवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के 'महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी% पुरस्कार के लिए नामित किया गया। महिला वर्ग में नामित खिलाड़ियों में राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी और ताहलिया मैकग्रा भी शामिल हैं। जेमिमा ने भारत को बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। वह पांच मैच में 146 रन बनाकर टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में पांचवें स्थान पर थी। उन्होंने बारबडोस के खिलाफ महत्वपूर्ण मुकाबले में भारत की ओर से 46 गेंद में सर्वाधिक नाबाद 56 रन बनाकर टीम को फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। दूसरी तरफ बेथ मूनी राष्ट्रमंडल खेलों की सबसे सफल बल्लेबाज रहीं। उन्होंने आस्ट्रेलिया के अंतिम ग्रुप ए मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 49 गेंद में 70 रन बनाए और फिर सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 29 गेंद में 36 रन की पारी खेली। ताहलिया ने अपने आलराउंड प्रदर्शन से प्रभावित किया। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार शामिल महिला क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया को स्वर्ण पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह पांच मैच में आठ विकेट के साथ टूर्नामेंट की संयुक्त रूप से दूसरी सबसे सफल गेंदबाज रहीं। पुरुष वर्ग में इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स, जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा और न्यूजीलैंड के मिशेल सेंटनर को नामित किया गया।

वारविकशायर की ओर से काउंटी क्रिकेट खेलेंगे जयंत

मुम्बई ।

भारतीय स्पिनर जयंत यादव भी इंग्लैंड काउंटी क्रिकेट में खेलने जा रहे हैं। पिछले काफी समय से जयंत को राष्ट्रीय टीम में खेलने का अवसर नहीं मिला है। अब उनका लक्ष्य काउंटी में खेलकर लय हासिल कर भारतीय टीमें वापसी करना रहेगा। चेतेश्वर पुजारा , तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज , उमेंश याद आदि ने पहले ही कांउटी से करार कर लिया था। जयंत से इंग्लैंड के वारविकशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने करार किया है। वह 12 सितंबर को एजबैस्टर के मैदान पर समरसेट टीम के खिलाफ होने वाले मैच में खेल सकते हैं। जयंत का प्रथम श्रेणी क्रिकेट करियर अच्छा रहा है। उन्होंने 64 मैचों में 173 विकेट हासिल किए हैं। वहीं उनका बल्ला भी इस दौरान अच्छा चला है। उन्होंने 31 की औसत से 2194 रन भी बनाए हैं जिसमें 3 शतक भी शामिल हैं। वारविकशायर में पहले से ही सिराज भी हैं। ऐसे में 12 सितंबर के मैच में जयंत के साथ सिराज अंतिम-11 में दिख सकते हैं। वारविकशायर क्रिकेट क्लब के डायरेक्टर पाल ने कहा कि जयंत के आने से टीम की बल्लेबाजी तो मजबूत होगी ही साथ ही साथ गेंदबाजी विभाग भी बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि जयंत को टीम में शामिल करना काफी अच्छा रहेगा। क्लब उनका स्वागत करता है। जयंत लगातार टेस्ट क्रिकेट खेलते रहे हैं, उनके पास प्रथम श्रेणी का काफी अनुभव है। वह हमारे लिए अभम भूमिका अदा कर सकते हैं। जयंत ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 2016 में कदम रखा था। उसके बाद से उन्होंने 6 टेस्ट और कुछ एकदिवसीय भी खेले हैं। काउंटी क्लब में शामिल किये जाने से जयंत बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि काऊंटी चैंपियनशिप में खेलना मेरा सबसे पहला अनुभव है, मैं इसके लिए तैयार हूं।

कहीं आप जाने-अनजाने हेलीकॉप्टर पेरेंट तो नहीं बन गए हैं

क्या आप जानते है कि हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग क्या होती है? अगर नहीं तो अब जान लीजिए और खुद को भी परख लीजिए कि कही आप जाने-अनजाने हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग तो नहीं बन गए हैं।

हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग क्या है?

हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग यानि कि ऐसे अभिभावक जो बच्चों के ऊपर हेलीकॉप्टर की तरह मंडराते रहते हैं। बच्चों पर अत्यधिक कंट्रोल रखते हैं, उन पर जरूरत से दा ध्यान देते हैं, उन्हें ओवर प्रोटेक्ट करते हैं, उनके लिए अत्यधिक पजेसिव होते हैं और अधिकांश समय बच्चों के साथ ही रहते हैं। यहां तक कि ऐसे अभिभावक बच्चों को उनका पर्सनल स्पेस भी देना भूल जाते है। आज के दौर में बच्चों को हर प्रकार से सही मार्गदर्शन देना जरूरी है, लेकिन हेलीकॉप्टर पेरेंट्स बच्चे के बेहद छोटे-छोटे कामों में भी हस्तक्षेप करते है और उनसे जुड़े छोटे-छोटे निर्णय भी खुद ही लेते हैं जैसे दोस्त चुनना, घूमने जाना, खेलना आदि। आइए, जानते हैं कि हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग से बच्चे को क्या नुकसान हो सकते हैं -

- ऐसे अभिभावक बच्चों के जूते के फीते बांधने से लेकर उनके खाने की प्लेट उठाना, लंच पैक करके देना आदि छोटे-छोटे काम खुद ही कर देते हैं। इससे बच्चे शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से आत्मनिर्भर नहीं बन पाते।
- ऐसे अभिभावक बच्चे को अपनी बात कहने का मौका नहीं देते, क्योंकि दूसरों के सामने वे खुद ही बच्चे का पक्ष रख देते है। इससे आगे जाकर बच्चा किसी के सामने खुद अपनी बात को सही तरीके से रखना नहीं सीख पाता और कई बार चुनौती और असफलता हैंडल नहीं कर पाता।
- ऐसे बच्चे विपरीत परिस्थितियों का सामना करना नहीं सीख पाते क्योंकि हर बुरी बला से बचाने के लिए मातापिता हर वक्त आपके आस-पास ही मौजूद रहते हैं।
- ऐसे बच्चे अगर मातापिता की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पाते तो उनके डिप्रेशन में जाने की आशंका अधिक रहती है।
- ऐसे बच्चे सफल होने का श्रेय कभी स्वयं नहीं ले पाते क्योंकि सफलता उन्हें मातापिता की बदौलत मिलती है।

परिस्थितियों का करें पूरी हिम्मत से सामना

जीवन में परिस्थितियां कब बदल जाएं, हम कह नहीं सकते। कभी जो हमारे बेहद करीब थे, वो कब हमसे दूर चले जाएं, कहा नहीं जा सकता। लेकिन मजबूत इंसान वही है, जो हर परिस्थितियों का सामना पूरी हिम्मत से करता हो। हम में से ऐसे कई लोग होंगे जिन्होंने कभी न कभी अपनों को खोया होगा। लेकिन कुछ लोग इससे उबर जाते हैं, तो कुछ खुद को हमेशा उसी परिस्थिति में पाते हैं। अपनों को खोने का दर्द बहुत गहरा होता है। खासकर उस अपने को, जो हमारे बेहद करीब थे। लेकिन इन परिस्थितियों से निकलना बहुत जरूरी होता है। सही समय पर हिम्मत के साथ आगे बढ़ना जरूरी है। आखिर कैसे हम इस पूरी परिस्थिति से निकल सकते है? कैसे खुद को मजबूत रख सकते है? आइए जानते हैं। हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि हमारे अपने कभी-भी हमारी आंखों में आंसू नहीं देख सकते। यदि आप उन्हें याद करके दु:खी हो रहे हैं, तो इसका मतलब है कि आप उन्हें भी दुख पहुंचा रहे हैं। कोशिश करें कि खुद को आप मजबूत बनाए रखें। यादों से निकलकर वर्तमान के बारे में सोचिए। जानते हैं यह बहुत मुश्किल है। लेकिन यही हिम्मत आपको इस दु:ख से निकाल सकती है। आपके साथ मौजूद आपके अपने आपको इस परिस्थिति में देखकर कितने दु:खी होंगे?

खुद को व्यस्त रखें। आपका व्यस्त रहना बेहद आवश्यक है। आप कुछ नया सीखने की कोशिश करें जिससे कि खुद को व्यस्त रख सकें। दूसरों के साथ समय बिताएं, अकेले न रहें। कोशिश करें कि आप अपने आसपास मौजूद लोगों के साथ समय बिताएं जिससे कि आपको अकेले रहने का समय ही न मिले। रात में सोने से पहले अच्छी किताब पढ़ें। किताबें इंसान की सबसे अच्छी मित्र होती हैं।

अगर आपको पेट्स पालने का शौक है, तो घर में जरूर एक नया मेहमान लेकर आएं। यह आपके मूड को फ्रेश भी रखेगा, साथ ही आप इनके साथ व्यस्त भी रहेंगे।

नेल पॉलिश लगाते वक्त ध्यान रखें यह जरूरी बातें

नेल पॉलिश लगाने से पहले नाखून काटने के साथ ही उसे सही शेप देना भी जरूरी है। साथ ही नाखून को सुखाना भी जरूरी है, क्योंकि गीले नाखून पर नेल पेंट लगाने से कोट अच्छी तरह नहीं चढ़ता है और वह जल्दी छूट जाता है। नेल पॉलिश हाथों की खूबसूरती बढ़ाता है, लेकिन नेल पेंट यदि सही तरीके से न लगाया जाए तो यह हाथों की खूबसूरती बढ़ाने की बजाय बिगाड़ सकता है। नाखूनों की सुंदरता बढ़ाने के लिए नेल पॉलिश को सही तरीके से लगाना और नाखूनों की सही देखभाल भी जरूरी है। ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, नेल पेंट आपके हाथों की खूबसूरती बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है, लेकिन इसे सही तरीके से अप्लाई करना जरूरी है, तभी यह परफेक्ट दिखता है।

हाथों का रखें ख्याल

यदि आपके हाथ रूखे होंगे तो कितनी भी अच्छी नेल पॉलिश क्यों न लगा लें, उसकी खूबसूरती उभरकर नहीं आएगी। इसलिए समय-समय पर मेनिक्योर कराती रहें, इससे हाथ और नाखून दोनों साफ और सुंदर रहते हैं और नेल पेंट का रंग उभरकर दिखता है।

नाखून को शेप

ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, नेल पॉलिश लगाने से पहले नाखून काटने के साथ ही उसे सही शेप देना भी जरूरी है। साथ ही नाखून को सुखाना भी जरूरी है, क्योंकि गीले नाखून पर नेल पेंट लगाने से कोट अच्छी तरह नहीं चढ़ता है और वह जल्दी छूट जाता है।

बेस कोट

यदि आप चाहती हैं नेल पेंट का रंग सही तरह से चढ़े, तो पहले ट्रांस्पेरेंट बेस कोट लगाना जरूरी है। नेल पेंट को ब्रश से पहले नाखून के बीच से लगाना शुरू करें और फिर पूरे नाखून पर लगाकर अच्छी तरह सुखा लें।

पहला कोट लगाएं

ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, जब ट्रांस्पेरेंट बेस कोट सूख जाए, तब अपनी पसंद की कोई भी नेलपॉलिश लगाएं। पहला कोट लगाने के बाद जब वह अच्छी तरह सूख जाए, तो आप चाहे तो दूसरा कोट लगा सकती हैं। इसे अच्छी तरह सेट करने के लिए आप बर्फ के पानी में उंगलियां डुबोकर रखें। इससे नेल पॉलिश में चमक आ जाएगी।

किनारों को साफ कर लें

यदि नेल पॉलिश लगाते समय किनारों में फैल गई है, तो उसे रिमूवर से साफ कर लें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- आप नेल पेंट को जल्दी सुखाना चाहती हैं, लेकिन इसके लिए पंखा चालू करके नेल पॉलिश न लगाएं, वरना नेल पेंट सूख जाएगा।
- यदि पहला कोट ठीक से नहीं लगा है, तो दूसरा कोट अप्लाई करे वह स्मूद दिखने लगेगा।
- नेल पॉलिश रिमूव करने के बाद कुछ दिनों तक नाखूनों को ऐसे ही रहने दें और नेल क्रीम लगाएं, इससे नाखूनों की चमक बढ़ेगी।
- पैर की उंगलियों में नेल पॉलिश लगाते समय दो उंगलियों के बीच में कॉटन लगा ले, इससे नेल पेंट फैलेगा नहीं।
- नेल पॉलिश लगाने से पहले बोतल को अच्छी तरह शेक कर लें।
- हमेशा अच्छी क्वालिटी की नेल पॉलिश ही इस्तेमाल करें, जो ज्यादा दिनों तक टिकती है और नाखूनों को नुकसान नहीं पहुंचाती।

सिल्क की साड़ी की चमक बनाए रखने के लिए इस तरह से करें वॉश

महिलाएं ट्रेडिशनल लुक के लिए सिल्क की साड़ी पहनना पसंद करती हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस से लेकर आम महिलाएं सिल्क की साड़ी पहनती हैं। सिल्क की साड़ी की एक अलग ही चमक होती हैं। सिल्क साड़ी बहुत महंगी आती है। जिसकी वजह से साड़ी की केयर करना बहुत जरुर होता है। अगर सिल्क की साड़ी की सही से केयर ना की जाए तो साड़ी की चमक खो जाती है। महिलाएं सिल्क साड़ी को घर में वॉश नहीं करती है बल्कि ड्राई क्लीनिंग के लिए देती हैं। लेकिन हर बार साड़ी को ड्राई क्लीनिंग में देना काफी महंगा पड़ता है। आप सिल्क की साड़ी को घर में भी साफ कर सकती हैं। सिल्क की साड़ी को घर में सही तरीके से धोने से ना तो साड़ी की चमक कम होती है और ना ही साड़ी खराब होती हैं। चलिए जातने है सिल्क की साड़ी को वॉश करने का सही तरीका।

हाथ से धोना

सिल्क की साड़ी को घर पर हाथ से धोना चाहिए। सिल्क की साड़ी को धोने के लिए सबसे पहले आप एक बाल्टी में पानी लें। पानी सिल्क साड़ी वाला डिटर्जेंट पाउडर लें। अगर आप के पास डिटर्जेंट नहीं तो आप बेबी शैंपू का यूज कर सकती हैं। इसके बाद साड़ी को पांच मिनट के लिए पानी में भिगोएं। इसके बाद सिंपल पानी डाले। इस पानी में थोड़ा सा व्हाइट विनेगर डाले। विनेगर डालने से साड़ी से अतिरिक्त साबुन हट जाता है। इसके बाद तीसरी बार पानी डालकर फैब्रिक कंडीशनर मिक्स करें। इसके बाद साफ और सूखे कपड़े के ऊपर सिल्क साड़ी को रखकर रोल करें। अब टॉवल को हल्के से दबाकर साड़ी से अतिरिक्त पानी बाहर निकाल दें। इसके बाद साड़ी को दूसरे सूखें टावल पर रखें और हवा में सूखने दें।

सिल्क की साड़ी का दाग

अगर आपकी सिल्क की साड़ी पर दाग लग गया है तो आप इन बतों का ध्यान दें। दाग लगने के तुरंत बाद उसे साफ कर दें। दाग सूखने के बाद उसके निशान को हटाना काफी मुश्किल होता है। इसके अलावा आप व्हाइट विनेगर और नींबू के रस की मदद से दाग हटा सकते हैं।

इन बातों का रखें ख्याल

सिल्क साड़ी को वॉश करने से पहले उसका रंग का टेस्ट जरुर करें। सिल्क साड़ी का कलर तो नहीं निकल रहा है। सिल्क साड़ी का क्लीनिंग डिटर्जेंट सॉफ्ट होना चाहिए। क्योंकि हार्ट और ब्लीच आपकी साड़ी को खराब कर सकती है।

इन चीजों के कारण गंदा नजर आता है घर

हर व्यक्ति हमेशा अपने घर को साफ-सुथरा रखना चाहता है। एक साफ घर न केवल अच्छा दिखता है, बल्कि सकारात्मकता भी लाता है। वहीं दूसरी ओर अगर घर गंदा व अव्यवस्थित नजर आए तो इससे मन भी अशांत होता है और घर में नकारात्मकता भी पैदा होती है। हो सकता है कि आप घर को साफ-सुथरा रखते हो, लेकिन फिर भी वह मैसी व गंदा नजर आता हो। ऐसा घर में मौजूद कुछ चीजों के कारण होता है। हालांकि अगर आप इन्हें सही तरह से रखने पर ध्यान देते हैं तो इससे आपका घर हर समय अधिक व्यवस्थित दिखेगा। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिनकी वजह से आपका घर हमेशा गंदा नजर आता है-

भरी हुई किचन स्लैब

हम सभी जानते हैं कि एक भरी हुई किचन स्लैब हमेशा गंदी नजर आती है। ऐसे में आपको स्लैब को पहले क्रमबद्ध रखना चाहिए। इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना है। मसलन, किचन में एक साथ एक ही समय में 2 से 3 कार्य ना करें। जिस क्षण आप एक कार्य पूरा करते हैं, तो पहले उसे साफ करें। उसके बाद ही आप किचन में दूसरा काम फैलाएं।

बदबूदार पोंछे व मॉप्स

भले ही आपने अपने किचन को साफ सुथरा रखा हो, लेकिन अगर वहां पर बदबूदार मॉप और पोंछे हैं तो इससे आपकी किचन व घर गंदा लगता है। ताजा और साफ मोप हमेशा आपके घर को एक अच्छा इफेक्ट देते हैं और इससे आपकी रसोई भी सुव्यवस्थित दिखती है।

भरी हुई डाइनिंग टेबल

हममें से अधिकतर लोग इस पर ध्यान नहीं देते हैं लेकिन अपनी डाइनिंग टेबल को साफ-सुथरा और क्लटर फ्री रखना भी बहुत जरूरी है। अमूमन लोग डाइनिंग टेबल पर कटलरी के अलावा, टिश्यू, नमक, काली मिर्च, सॉस और अचार आदि रखते हैं। लेकिन इससे डाइनिंग टेबल काफी भरी और गंदी नजर आती है। इसलिए, हो सके तो डाइनिंग टेबल को मिनिमल ही रखें, इससे आपका लिविंग रूम व डाइनिंग एरिया उतना ही बेहतर लगेगा।

बिना लिड की लॉन्ड्री बास्केट

अमूमन घर में हम गंदे कपड़ों को रखने के लिए लॉन्ड्री बास्केट का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इससे घर काफी मैसी लगता है। इसलिए बेहतर होगा कि अगर आप लॉन्ड्री बास्केट का इस्तेमाल कर रहे हैं तो यह सुनिश्चित करें कि उसके साथ ढक्कन जरूर हो। कवर वाला लॉन्ड्री बास्केट देखने में अव्यवस्थित नहीं लगता है। लॉन्ड्री बास्केट की तरह आपको डस्टबिन को भी बिना लिड के नहीं रखना चाहिए। यह देखने में काफी गंदा लगेगा।

भरी हुई बालकनी

अक्सर घरों में लोग बालकनी को स्टोरेज की तरह यूज करते हैं। उस एरिया को ब्यूटीफुल बनाने के लिए प्लांट्स तो लगाते हैं, लेकिन छोटी बालकनी में रखीं कुर्सियां व स्टूल्स आदि उसे भरा-भरा दिखाते हैं। इसलिए अपनी बालकनी को थोड़ा स्पेशियस ही बनाए रखें। अगर आप वहां पर सिटिंग अरेंजमेंट कर रहे हैं तो यह सुनिश्चित करें कि वह बहुत अधिक जगह ना घेरे।

युद्धग्रस्त यूक्रेन में लाखों लोग बिना बिजली-गैस कर रहे गुजारा

कीव । रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू हुए 6 महीने पूरे हो चुके हैं। युद्ध के कारण प्राकृतिक-आर्थिक रूप से बर्बादी भी देखी जा रही है। रूस की मिसाइलों ने यूक्रेन में ऐसी कोई जगह नहीं छोड़ी है, जहां तबाही न मचाई हो। इस तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए पश्चिमी देशों ने भी रूस पर प्रतिबंध लगा दिए हैं, तो रूस ने भी अपनी ओर से कार्रवाई करते हुए यूरोपीय देशों में सप्लाई होने वाली प्राकृतिक गैसों पर 60 प्रतिशत तक कटौती कर दी है। इसके बाद से यूरोप में प्राकृतिक गैसों की आपूर्ति का संकट पैदा हो गया है। रूस के इस कदम से पूरा यूरोप एक भारी संकट में फंस गया दिखाई दे रहा है। यूक्रेन के ऊर्जा मंत्रालय ने भी अपने बयान में कहा है कि यूक्रेन भी इस संकट का सामना कर रहा है। आकड़ा शेयर कर बताया गया है कि 6,00,000 से अधिक यूक्रेनियन बिजली के बिना रह रहे हैं। मंत्रालय के अनुसार, यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध के कारण 2,35,700 यूक्रेनियन भी बिना गैस के रह रहे हैं। संकट से निपटने के लिए कई यूरोपीय देश रूस की जगह सेनेगल और मौरीतानिया से गैस खरीदने की कोशिश में जुटे हैं। जर्मनी के चांसलर ओलफ स्कोल्ज ने मई में सेनेगल का दौरा किया था। उन्होंने प्राकृतिक गैस के संकट का जिक्र किया ताकि सेनेगल मदद करे। यूरोपीय देशों में गैस की सप्लाई करने में सेनेगल और मौरीतानिया एक बेहतर देश साबित हो सकते हैं। सेनेगल लिक्विड गैस निकालने के लिए अपनी पूरी तैयारी कर रहा है। उम्मीद है कि इन दोनों देशों से यूरोपीय देशों में एलएनजी यानी लिक्वीफाइड नेचुरल गैस की आपूर्ति जल्द ही शुरू हो सकती है। दोनों देशों का युद्ध सिर्फ इन्हे ही नहीं बर्बाद कर रहा बल्कि पूरी दुनिया में इसका असर देखने को मिल रहा है। जब से रूस ने यूक्रेन पर हमला बोला है, तब से यूक्रेन से भी खाद्य पदार्थो की सप्लाई बंद हो गई है। यूक्रेन के गोदामों में लाखों टन अनाज बंद पड़े थे ऐसे में कई देश भुखमरी जैसे गंभीर समस्या से जूझ रहे थे, लेकिन एक राहत की खबर तब आई जब यूक्रेनी अनाज की पहली खेप ओडेसा के बंदरगाह से इस?तांबुल के लिए रवाना हुई। वैश्विक खाद्य संकट से राहत पाने के उद्देश्य से तुर्की और संयुक्त राष्ट्र के साथ दोनों देशों से एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर करवाया गया था।

'ग्लोबल स्टूडेंट प्राइज' के अंतिम 10 में भारतीय मानसिक स्वास्थ्य प्रचारक शामिल

लंदन। पोषण से लेकर मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वाली भारत की एक छात्रा को 'चेग डॉट ओआरजी ग्लोबल स्टूडेंट प्राइज 2022' के लिए शीर्ष अंतिम 10 की सूची में शामिल किया गया है। इसके तहत 100,000 अमेरिकी डॉलर का पुरस्कार दिया जाता है। गोवा में 'बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस' की छात्रा अनघा राजेश को 150 देशों से मिलीं 7,000 से अधिक प्रविष्टियों में से चुना गया है। वह एक शोधकर्ता, कथाकार हैं और समुदाय निर्माण के क्षेत्र में काम करती हैं, जिन्होंने पोषण से लेकर मानसिक स्वास्थ्य और उद्यमिता तक कई योजनाओं पर काम किया है। गैर-लाभकारी संगठन 'योर्स माइंडफुल' की संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में उनका लक्ष्य मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में जागरूकता, समावेश और पहुंच की खाई को पाटना है। राजेश ने इस सप्ताह अंतिम प्रतियोगियों की सूची में अपने नाम की पुष्टि के बाद कहा, ''योर्स माइंडफुल में अपनी टीम के साथ मैं यह सुनिश्चित करने का प्रयास करती हूं कि हर जगह युवाओं की व्यक्तिगत मानसिक स्वास्थ्य संसाधनों तक पहुंच हो।'' उन्होंने कहा, ''मैं दुनिया भर के अन्य सभी शीर्ष 10 अंतिम सूची के प्रतियोगियों को भी बधाई देना चाहती हूं, जो हमारी दुनिया को बेहतर बनाने में मदद कर रहे हैं। युवा लोगों की आवाज सुनी जानी चाहिए।'' योर्स माइंडफुल के माध्यम से राजेश पूरे भारत, संयुक्त अरब अमीरात, अफ्रीका और ब्रिटेन के 40 युवाओं की एक टीम के साथ काम करती हैं, जो मानसिक स्वास्थ्य समावेशन की वकालत करते हैं। इस साल की शुरुआत में 'योर्स माइंडफुल' ने महिला कार्यकर्ताओं के लिए 'मलाला फंड' के साथ साझेदारी की। 'एडटेक चेग' के सीईओ और अध्यक्ष डैन रोसेनस्विग ने कहा, ''अब, पहले से कहीं अधिक, अनघा जैसे छात्र अपनी कहानियों को बताने और अपनी आवाज सुनाने में सुक्षम हुए हैं। आखिरकार, हमें उनके सपनों, उनकी अंतर्दृष्टि का हमारी दुनिया के सामने आने वाली चुनौतीपूर्ण एवं तत्कालिक चुनौतियों से निपटने के लिए उनकी रचनात्मकता का इस्तेमाल करने की आवश्यकता है।''

चीन के सिचुआन प्रांत की लुडिंग काउंटी में 6.8 तीव्रता का भूकंप

बीजिंग । चीन के दक्षिण पश्चिमी सिचुआन प्रांत की लुडिंग काउंटी में 6.8 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। भूकंप में कम स कम 7 लोगों के मारने की खबर है। कई लोग घायल भी हुए हैं।चीनी मीडिया के मुताबिक भूकंप स्थानीय समयानुसार दोपहर 12 बजकर 25 मिनट पर आया। भूकंप का केंद्र 29.59 डिग्री उत्तरी अक्षांश तथा 102.08 डिग्री पूर्वी देशांतर से जमीन से 16 किलोमीटर की गहरायी में स्थित था। भूकंप का केंद्र लुडिंग काउंटी से 39 किलोमीटर दूर स्थित था और भूकंप के केंद्र के पांच किलोमीटर के दायरे में कई गांव आते हैं। भूकंप के झटके सिचुआन प्रांत की राजधानी चेंगदु में भी महसूस किए गए, जो भूकंप के केंद्र से 226 किलोमीटर दूर स्थित है। चीनी सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई तस्वीरों और वीडियो में चेंगदु में इमारतों को हिलता हुआ देखा जा सकता है। अभी किसी इमारत को नुकसान पहुंचने की जानकारी नहीं है। सिचुआन प्रांत तिब्बत के पड़ोस में स्थित है और भूकंप के लिहाज से संवेदनशील है। इस प्रांत में 2008 में विनाशकारी भूकंप आया था, जिसमें करीब 90,000 लोगों की मौत हो गई थी।

चक्रवात के खतरे के कारण पूर्वी चीन में फेरी सेवा निलंबित, जापान और कोरिया पर भी हो सकता है असर

बीजिंग। हिनामनोर चक्रवात के प्रभाव से बचने के लिए पूर्वी चीन के शहरों में फेरी सेवाओं को निलंबित कर दिया गया है और कक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। इस भीषण चक्रवात का असर जापान, ताईवान और कोरिया पर भी पड़ सकता है। शंघाई ने रविवार को फेरी सेवाओं को निलंबित कर दिया और खतरे वाले क्षेत्रों से यातायात दूर करने तथा बचावकर्मियों की सहायता के लिए 50 हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। पूर्व में स्थित व्यवसाय केंद्र वेनझू में सोमवार को संचालित होने वाली सभी शैक्षिक कक्षाओं को निलंबित कर दिया गया है। हिनामनोर चक्रवात 2022 में अब तक आया सबसे शक्तिशाली समुद्री तूफान है और इसके पूर्वी चीन सागर की ओर बढ़ने का पूर्वानुमान जताया गया है। जापान के ओकिनावा से लोगों को निकाला जा रहा है और उड़ानें निलंबित कर दी गई हैं। चक्रवात के कारण कोरियाई प्रायद्वीप में भारी बारिश होने की आशंका है। हांगकांग वेधशाला के अनुसार चक्रवात में हवा की अधिकतम गति 175 किलोमीटर प्रति घंटा हो सकती है। चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने रविवार पूर्वाह्न दस बजे 'येलो अलर्ट' जारी किया है और उत्तरपूर्वी प्रांत झेजियांग, शंघाई और ताईवान में भारी बारिश होने का अंदेशा जताया है।

नॉदर्न एलायंस के नेता का खुलासा, भारत से दगाबाजी कर रहा तालिबान, भारत के मदद के बदले कश्मीर में आंतकी पहुंचा रहा

-गेंहू को जनता में बढ़ने की जगह अपने सैनिकों और उनके परिवार को मिल रहा

काबुल । अफगानिस्तान में तालिबान राज आने के बाद भारत ने फिर से युद्धग्रस्त देश की गरीब जनता की मदद के लिए बड़े पैमाने पर सहायता देना शुरू कर दिया है। भारत 50 हजार टन गेहूं पाकिस्तान के रास्ते अफगानिस्तान को भेज रहा है। इसके अलावा भारत ने एक बार फिर से काबुल में स्थित दूतावास को सक्रिय किया है। इस बीच भारत के मित्र रहे नॉदर्न एलायंस के नेता अहमद शाह मसूद के बेटे और पंजशीर घाटी के हीरो अहमद मसूद ने मोदी सरकार को तालिबान को दी जा रही सहायता पर आगाह किया है। उन्होंने कहा कि तालिबानी आतंकी भारत की मानवीय मदद को अफगान जनता को देने की बजाय अपने सैनिकों और उनके परिवारों का पेट भरने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। मसूद ने कहा कि कश्मीर में बढ़ती आतंकी घटनाओं का संबंध भी तालिबान राज से है। पंजशीर घाटी में नैशनल रजिस्टेंस फंट ऑफ अफगानिस्तान के नेता मसूद ने कहा कि भारत की मदद जरूरतमंद लोगों को नहीं मिल पा रही है। यही नहीं उन्होंने अफगानिस्तान में तालिबान राज आने और कश्मीर में हिंसा की बढ़ती घटनाओं के बीच संबंधों को रेखाकिंत किया। मसूद ने कहा, 'मैं सत्ता नहीं चाहता हूं और मेरा संघर्ष अभी न्याय के अधिकार के लिए है। मेरी लड़ाई अभी न्याय और स्वतंत्रता के लिए है।' भारत संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम के तहत 50 हजार टन गेहूं अफगानिस्तान भेज रहा है लेकिन मसूद ने कहा, 'तालिबान ने भारत की मानवीय मदद का इस्तेमाल अपनी सेना और उनके परिवारों की मदद के लिए किया है, न कि वास्तव में जरूरतमंद लोगों के लिए।'

वेटिकन में पोप फ्रांसिस पोप जॉन पॉल के बीटीफिकेशन समारोह में शामिल हुए।

कनाडा में अलग-अलग स्थानों पर 10 लोगों की चाकू मारकर हत्या, 15 लोग घायल, हमलावर फरार

टोरंटो। कनाडा के सस्कैचवन प्रांत में अलग-अलग स्थानों पर चाकू से हमला कर 10 लोगों की हत्या कर दी गई है, जबकि 15 अन्य लोग घायल बताए गए हैं। हमलावर फरार हो गया है। सस्कैचवन प्रांत के जेम्स स्मिथ क्री नेशन और वेलडन में अलग-अलग जगहों पर हुई इस घटना के बाद रॉयल कनाडियन माउंटेन पुलिस (आरसीएमपी) ने पूरे राज्य में संदिग्ध व्यक्तियों के लिए अलर्ट जारी किया है।

पुलिस का कहना है कि जेम्स स्मिथ क्री नेशन और सस्कैचवन के उत्तर-पूर्व में वेल्डन गांव में कई स्थानों पर छुरा घोंपने की घटना सामने आई है। आरसीएमपी के मुताबिक संदिग्धों की पहचान डेमियन सैंडर्सन और माइल्स सैंडरसन के रूप में हुई है। इनकी तलाश के लिए पूरे राज्य में अलर्ट जारी किया गया है। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि संदिग्धों का मकसद क्या था। आरसीएमपी सस्कैचवन के सहायक आयुक्त रोंडा ब्लैकमोर ने कहा कि कुछ पीड़ितों को संदिग्धों द्वारा लक्षित निशाना बनाया गया था, लेकिन अन्य लोगों पर आचानक से हमला किया गया। इसलिए इसके पीछे के मकसद का फिलहाल पता नहीं लग सका है। ब्लैकमोर ने कहा कि जो कुछ भी हुआ है, वह भयावह है। ब्लैकमोर ने कहा, हम हमलावरों को पकड़ने के लिए अपने पूरे सूत्र से व्यापक तलाशी अभियान से चला रहे हैं।

4 दिनों तक लाइव फायर ड्रिल, दलाई लामा को आमंत्रण, चीन रुकेगा नहीं तो ताइवान भी झुकेगा नहीं

ताइपे (एजेंसी)।

चीन की साजिशों को नाकाम करने के लिए ताइवान ने बड़ी तैयारी की है। आज से ताइवान की सेना चार दिनों तक पींगटू काउंटी में लाइव फायर ड्रिल करने जा रही है।जिसमें वो युद्ध के हालात में अपनी सैन्य तैयारियों को परखेगी। चीन ने एक बार फिर ताइवान में घुसपैठ की कोशिश की है। ताइवान के अरबपति कारोबारी ने 33 लाख ताइवानी नागरिकों को मिलिट्री ट्रेंनिग देने का ऐलान किया है। वहीं ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग वेन ने भी चीन की धमकियों से बेपरवाह होतकर वैश्विक संबंधों को मजबूत करने का संकल्प लिया है। वीडियो संदेश के जरिए ताइवानी राष्ट्रपति ने साफ किया कि वो किसी के भी दबाव में झुकने वाली नहीं हैं। ताइवान और वहां के लोग लोकतांत्रिक सरकारों के सहयोग बढ़ाने को तैयार हैं।

ताइवान ने दलाई लामा को किया आमंत्रित

चीन के खिलाफ ताइवान ने बड़ा पॉलिटिकल कदम उठाया है। पॉर्लियामेंट ग्रुप ने तिब्बती धर्म गुरु दलाई लामा को ताइपे आने का न्यौता दिया है। तिब्बत लोकतंत्र दिवस के मौके पर ताइवान के पॉर्लियामेंट ग्रुप ने एक कार्यक्रम आयोजित किया था। ताइवान ने तिब्बती लोगों के साथ मित्रता बढ़ाने की अपील भी की है।

ताइवान सांसद समूह के अध्यक्ष लिन चांग जुओ ने कहा कि ताइवान और तिब्बत दो समान मूल्यों वाले मित्र समाज हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय तिब्बतियों के लोकतांत्रकि अधिकारों की रक्षा करेगा।

यूक्रेन पर रूस के आक्रमण से दुनिया ने एक सबक सीखा

ताइवान के विदेश मंत्री जोसेफ वू ने कहा है कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण से दुनिया ने एक सबक सीखा है कि एक देश एक सत्तावादी शासन के हमले को तबतक नहीं रोक पाएगा जब उसके पास पर्याप्त सैन्य शक्ति नहीं होगी। ताइवान को चीन की सेना की ओर बार-बार घुसपैठ का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिकी हाउस की स्पीकर नैन्सी पेलोसी की यात्रा के बाद से दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ गया है।

पांच दिनों के राजकीय दौरे पर काठमांडू पहुंचे भारतीय सेना प्रमुख

काठमांडू (एजेंसी)।

भारत के थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे रविवार को यहां पांच दिन की आधिकारिक यात्रा पर पहुंचे, जिसमें वह देश के शीर्ष सैन्य और असैन्य नेतृत्व के साथ विचार-विमर्श करेंगे। नेपाल के उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल बाल कृष्ण कारकी ने यहां त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर जनरल पांडे की अगवानी की। जनरल पांडे को इस यात्रा के दौरान सोमवार को काठमांडू में एक समारोह में राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी नेपाली सेना के जनरल की मानद उपाधि प्रदान करेंगी। यह परंपरा 1950 में शुरू हुई थी।

इसके तहत भारत भी नेपाली सेना प्रमुख को भारतीय सेना के जनरल की मानद उपाधि प्रदान करता है। नेपाल के सेना प्रमुख जनरल प्रभुराम शर्मा ने पिछले साल नवंबर में भारत के सेना प्रमुख के निमंत्रण पर भारत का दौरा किया था। उन्हें इस यात्रा के दौरान भारतीय सेना के जनरल की मानद उपाधि प्रदान की गयी थी। जनरल पांडे इस दौरान वह पड़ोसी देश के असैन्य और सैन्य अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर विचार-विमर्श करेंगे। जनरल पांडे की काठमांडू में होने वाली चर्चा में अग्निपथ योजना के तहत भारतीय सेना में नेपाल के गोरखा जवानों को शामिल किए जाने का विषय भी आ सकता है। खबरों के अनुसार, नेपाल ने भारत से कहा है कि नयी योजना के तहत भर्ती मौजूदा प्रावधानों के अनुरूप नहीं है। जनरल पांडे इस यात्रा में राष्ट्रपति भंडारी तथा प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा से मुलाकात करेंगे और नेपाल के सेना प्रमुख जनरल प्रभुराम शर्मा से व्यापक चर्चा के साथ ही नेपाल के वरिष्ठ सैन्य एवं असैन्य नेताओं के साथ भी बैठक करेंगे। अपनी इस यात्रा में वह नेपाली सेना के मुख्यालय का भी दौरा करेंगे, जहां वह शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देंगे और बल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत करेंगे। सेना प्रमुख मंगलवार को नेपाल के प्रधानमंत्री से मुलाकात कर सकते हैं।

काबुल में रूसी दूतावास के बाहर ब्लास्ट, दो रुसी राजनयिकों सहित 20 लोगों की मौत की खबर

काबुल (एजेंसी)।

राजधानी काबुल में सोमवार को रूसी दूतावास के बाहर ब्लास्ट हुआ है। बताया जा रहा है कि धमाका दारूलामान रोड के इलाके में हुआ है। ब्लास्ट में कम से कम 20 लोगों के मारे जाने की खबरें हैं।वहीं कई लोग घायल भी हैं, लेकिन घायलों की कितनी संख?या है इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। तालिबानी सरकार की तरफ से अभी तक इस बारे में कुछ भी नहीं कहा गया है। स्थानीय पुलिस की तरफ से कहा गया है कि आत्मघाती हमलावर दूतावास की तरफ बढ़ रहा था, तभी उस मार दिया गया है।

नागरिक ने बताया कि सोमवार को हुआ ब्लास्ट इतना शक्तिशाली था कि आसपास के घरों की खिड़कियों के कांच टूट गए। बताया जा रहा है कि आमघाती हमलावर भीड़ को निशाना बनाना चाहता था। उसका निशाना वहां लोग थे, जो वीजा के लिए अप्लाई करने आए थे। रुसी मीडिया की तरफ से अभी इसकी जानकारी नहीं दी गई है, कि जिस समय ब्लास्ट हुआ उस समय रूस के एक राजनयिक बाहर आए थे और वह वीजा कैंडीडेट का नाम पुकार रहे थे। बताया जा रहा है कि हमले में दो रूसी राजनयिकों की भी मौत हो गई है। एजेंसी ने ब्लास्ट में कम से कम 20 लोगों के मारे जाने की बात कही है। साल 2016 में अफगानिस्तान स्थित रूसी दूतावास के करीब ब्लास्ट हुआ था। उस ब्लास्ट में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई थी और 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। तालिबान के शासन काल में धमाके होना अब सामान्य हो गया है।

नासा मून मिशन एक नई अंतरिक्ष दौड़ की शुरुआत का प्रतीक है

मॉस्को (एजेंसी)।

सिडनी, 5 सितंबर (द कन्वरसेशन)। नासा ने इस शनिवार, तीन सितंबर को आर्टेमिस 1 चंद्र मिशन शुरू करने की योजना बनाई, क्योंकि सप्ताह की शुरुआत में पहले प्रयास में इंजन में समस्या के कारण अंतिम समय में इसे रद्द कर दिया गया था। यह मिशन 1972 के बाद पहली बार मानव को चंद्रमा पर भेजने की दिशा में एक रोमांचक कदम है। लेकिन इस बार यह केवल चंद्र की धरती पर हमारे पैरों के निशान छोड़ने के बारे में नहीं है बल्कि यह चंद्र संसाधनों के लिए एक नयी अंतरिक्ष दौड़ की शुरुआत का प्रतीक है। इस बार हर कोई चांद पर खनन करना चाहता है।

चंद्रमा पर लौटें आर्टेमिस कार्यक्रम के बारे में बहुत कुछ नया और प्रेरक है। आर्टेमिस 1 कार्यक्रम का पहला मिशन है और यह चंद्रमा की कक्षा में जाने के लिए प्रायोगिक उड़ान भरेगा और बिना चालक दल के 42-दिवसीय यात्रा के बाद पृथ्वी पर लौटेगा। इस यात्रा में एक नए लॉन्च वाहन, स्पेस लॉन्च सिस्टम (एसएलएस) का उपयोग किया जाएगा, जो वर्तमान में दुनिया में सबसे शक्तिशाली रॉकेट है। बोर्ड पर पुरुष और महिला के प्रतिरूप वाले तीन पुतले होंगे। नासा इन पुतलों का उपयोग प्रक्षेपण यान के आराम और सुरक्षा और मनुष्यों के लिए स्पेसफ्लाइट कैप्सूल का परीक्षण करने के लिए करेगा।

बोर्ड पर कई अन्य प्रयोग भी किए गए हैं और जब कैप्सूल चंद्रमा के पास होगा तो डाटा प्रदान करने के लिए छोटे उपग्रहों की एक श्रृंखला प्रक्षेपित की जाएगी। इस मिशन से मिले सबक को आर्टेमिस 2 पर लागू किया जाएगा, जो मिशन 2024 के लिए योजनाबद्ध की गई है और इसमें एक महिला और पुरुष को चंद्रमा पर भेजे जाने की उम्मीद है। एक नयी अंतरिक्ष दौड़? हालांकि, चंद्रमा पर मानव का फिर से कदम रखना केवल खोज और ज्ञान की खोज के बारे में नहीं है। जिस तरह 1960 के दशक की अंतरिक्ष दौड़ शीत युद्ध की भूराजनीति से प्रेरित थी, उसी तरह आज के अंतरिक्ष कार्यक्रम आज की भू-राजनीति पर आधारित हैं। अमेरिका आर्टेमिस का नेतृत्व कर रहा है, जिसमें यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी और ऑस्ट्रेलिया सहित कई अन्य मित्र राष्ट्र शामिल हैं। चीन और रूस अपने-अपने मून कार्यक्रम पर सहयोग कर रहे हैं। वे 2026 में मनुष्य को चंद्रमा पर उतारने की योजना बना रहे हैं। भारत भी रोबोटिक मून लैंडर्स और लूनर स्पेसफ्लाइट प्रोग्राम पर काम कर रहा है।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भी इस साल नवंबर में एक चंद्र लैंडर प्रक्षेपित करने की योजना बना रहा है। इस दौड़ का दीर्घकालिक लक्ष्य चंद्र संसाधनों का अधिग्रहण करना है। चंद्रमा पर संसाधन चंद्रमा के दक्षिणी क्षेत्रों में पानी की बर्फ का पता चला है और आशा है कि ईंधन के लिए इस्तेमाल की जा सकने वाली कुछ गैसों का भी खनन किया जा सकता है। इन संसाधनों का उपयोग चंद्र आधारों (लूनार बेस) पर और चंद्रमा के निकट दीर्घकालिक मानव निवास स्थान के निर्माण में किया जा सकता है, साथ ही साथ चंद्रमा की परिक्रमा करने वाले स्थायी अंतरिक्ष स्टेशन जैसे कि नासा के पूर्वनियोजित 'गेटवे' के निर्माण में किया जा सकता है। ऑस्ट्रेलियाई अंतरिक्ष एजेंसी आर्टेमिस कार्यक्रम का हिस्सा बनने के लिए ऑस्ट्रेलियाई उद्योग का समर्थन कर रही है और मंगल ग्रह पर अमेरिका की बाद की यात्राओं की योजना बना रही है। चंद्र खनन प्रयासों में सहायता के लिए ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिक भी चंद्र रोवर विकसित कर रहे हैं। नियम क्या हैं? अगले पांच वर्षों में हम चंद्रमा पर इस नयी दौड़ के आसपास भारी राजनीतिक तनाव बढ़ने की उम्मीद कर सकते हैं। एक प्रश्न जिसका उत्तर अब तक नहीं मिला है, वह है- चंद्रमा पर गतिविधियों को कौन से नियम नियंत्रित करेंगे?

7 साल की उम्र में मिले थे 0 वोट, आज बनीं ब्रिटेन की नई पीएम, जानें लिज ट्रस का पार्षद से प्रधानमंत्री तक का सफर

लंदन। (एजेंसी)।

ऋषि सुनक बनाम लिज ट्रेस यानी ब्रिट्रेन के प्रधानमंत्री बनने की रेस खत्म हो गई। लिज ट्रस ने 20 हजार से ज्यादा वोटों से ऋषि सुनक को मात दे दी। ट्रस कंजर्वेटिव पार्टी के कार्यकर्ताओं की पहली पसंद बनीं। उन्हें ऋषि सुनक के खिलाफ अच्छी-खासी बढ़त प्राप्त हुई। ट्रस को 81 हजार 326 वोट मिले जबकि सुनक को 60 हजार 399 वोट प्राप्त हुए। सरकारी स्कूल में शिक्षा ग्रहण करने वाली 46 साल की लिज ट्रस की जिंदगी व राजनीतिक सफर काफी रोचक रहा है। उनके पिता गणित के प्रोफेसर और मां एक नर्स थीं। अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद कुछ समय तक ट्रस ने अकाउंटेंट के रूप में भी काम किया है। जिसके बाद वो राजनीति में आ गई। लेबर पार्टी समर्थक परिवार से आने वाली ट्रस ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी से की थी।

नहीं मिला था एक भी वोट

लिज से जुड़ा एक दिलचस्प वाक्या भी है जब उन्हें एक भी वोट प्राप्त नहीं हुआ था, जिसका जिक्र एक बार खुद ही लिज ने किया था। ट्रस ने पुराने दिनों को याद करते हुए बताया था कि जब वो सात साल की थीं तो स्कूल के मॉक इलेक्शन में उन्होंने मार्गरेट थेचर की भूमिका निभाई थी। हालांकि उन्हें एक भी वोट नहीं मिला था। उन्होंने कहा था कि हस्टिंग में अपनी समझ में एक जोरदार भाषण दिया था। लेकिन आखिर में मुझे एक भी वोट नहीं मिले।

पार्षद से प्रधानमंत्री तक

लीज ट्रस के राजनीतिक सफर की शुरुआत 2001 के आम चुनावों के जरिये हुई थी। उन्होंने हेम्सवर्थ, वेस्ट यॉर्कशायर से टोरी/कंजर्वेटिव पार्टी की उम्मीदवार के रूप में पर्चा भरा था। हालांकि उन्हें हार का सामना करना पड़ा। ट्रस ने 2005 में वेस्ट यॉर्कशायर पार्टी की उम्मीदवार के रूप में पर्चा भरा था। लेकिन हार का सामना करना पड़ा। ट्रस ने 2005 में ही काल्डर वैली सीट से फिर चुनाव लड़ा लेकिन इस बार भी उन्हें एक और हार का सामना करना पड़ा। चार मई 2006 को उन्होंने पहला चुनाव पार्षद के तौर पर जीता। इसके बाद 2010 में वह पहली बार सांसद चुनी गईं। 2010 में सांसद बनी और 2012 में देश की शिक्षा मंत्री बनी। 2016 में न्याय सचिव का पद संभावा। 2017 में उन्हें ट्रेजरी प्रमुख का पद दे दिया गया। 2019 में जब बोरिस जॉनसन प्रधानमंत्री बने तो लिज ट्र को विदेश सचिव बना दिया गया।

टीम बोरिस से आती हैं ट्रस

46 साल की लिज ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी से की थी। लेकिन बाद में वो कंजर्वेटिव पार्टी में शामिल हो गई। बता दें कि ब्रिटेन में दो मेन पार्टिया हैं। एक कंजर्वेटिव पार्टी जिसे दक्षिणपंथी विचारों वाली मानी जाती हैं। वहीं

दूसरी लेबर पार्टी हैं जो वामपंथी पार्टी है। लिज ट्रस का यूक्रेन और रूस के युद्ध के प्रति रवैया शुरुआत से ही कड़ा रहा है। यूके की तरफ से जो प्रतिबंध एक-एक कर रूस पर लगाए गए उसमें लिज ट्रस का बहुत बड़ी भूमिका रही है। बोरिस जॉनसन ने बीते दिनों यूक्रेन जाकर व्लादोमीर जेलेंस्की से मुलाकात भी की थी। लिज ट्रस शुरुआत से ही ऑल टाइम फेवरेट नहीं मानी जा रही थी। ट्रस टीम बोरिस जॉनसन से हैं। जॉनसन हर संभव प्रयास कर रहे थे कि ऋषि सुनक को रोका जाए। ब्रिटेन में टैक्स, बेग्जिट और इकोनॉमी मुख्य मुद्दा इस चुनाव में रहा।

गुजरात में राहुल और केजरीवाल के बीच ज्यादा से ज्यादा मुफ्त रेवड़ियां बांटने की होड़

अहमदाबाद (एजेंसी)।

गुजरात विधानसभा चुनावों से पहले विभिन्न राजनीतिक दल राज्य की जनता को मुफ्त की सौगातें देने के वादे कर रहे हैं और तमाम तरह की गारंटियां भी दे रहे हैं। आम आदमी पार्टी जहां गुजरात मॉडल से बेहतर दिल्ली मॉडल को बताते हुए कई लुभावने वादे कर रही है तो वहीं एआईएमआईएम के असदुदीन ओवैसी गुजरात के मुस्लिमों से भाजपा और कांग्रेस के खिलाफ एकजुट होकर अपनी अलग पहचान बनाने की अपील कर रहे हैं। उधर, लगभग तीन दशकों से राज्य की सत्ता संभाल रही भाजपा जनता से अपील कर रही है कि भ्रम फैलाने वाले लोगों की बातों में नहीं आयें और उन्हें ही चुनें जोकि हर सुख-दुख में साथ खड़े रहते हैं।

इस बीच, कांग्रेस ने भी गुजरात में अपने चुनाव प्रचार की शुरुआत मुफ्त की सौगातें देने के वादे से की है। कांग्रेस को शायद लग रहा है कि आम आदमी पार्टी जैसे मुफ्त बिजली पानी के वादे के साथ दिल्ली और पंजाब की सत्ता में आई वैसा करके कांग्रेस भी गुजरात और हिमाचल में सत्ता हासिल कर सकती है। इसीलिए हिमाचल प्रदेश में मुफ्त की सौगातें देने का वादा करने के बाद अब कांग्रेस ने गुजरात की जनता से भी एक से बढ़कर एक वादे कर दिये हैं।

हम आपको बता दें कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुजरात में अपनी पार्टी के सत्ता में आने पर राज्य में किसानों का तीन लाख रुपये तक का कर्ज माफ करने, एलपीजी सिलेंडर की मौजूदा कीमत 1,000 रुपये के बजाय 500 रुपये करने, किसानों को मुफ्त बिजली और आम उपभोक्ताओं को 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने का वादा किया है। अहमदाबाद में 'परिवर्तन संकल्प रैली' को संबोधित करते हुए गांधी ने गुजरात के लोगों के लिए कई वादे किए, जिसमें 10 लाख नयी नौकरियों का सृजन, अंग्रेजी माध्यम के 3,000 स्कूलों का निर्माण और लड़कियों को मुफ्त शिक्षा शामिल है। राहुल गांधी ने वादा किया कि ''मैं हमारी पार्टी के गुजरात में सत्ता में आने के बाद प्रत्येक किसान का तीन लाख रुपये तक का कर्ज माफ करने का वादा करता हूं।''

बहरहाल, राहुल गांधी ने गुजरात की जनता से बड़े-बड़े वादे तो कर दिये हैं लेकिन उन्हें यह भी देखना चाहिए कि उनकी पार्टी की छत्तीसगढ़ और राजस्थान सरकार ने अपने कितने चुनावी वादे पूरे किये हैं। फिलहाल यदि गुजरात की ही बात करें तो यहां एक तरह से राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल के बीच इस बात की होड़ दिखाई दे रही है कि कौन ज्यादा से ज्यादा मुफ्त रेवड़ियां बांट सकता है।

पुलिस की पकड़ से दूर हैं बिहार के पूर्व मंत्री कार्तिकेय सिंह, कोर्ट ने जारी किया था वारंट

पटना।(एजेंसी)।

बिहार के पूर्व मंत्री कार्तिकेय सिंह की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पहले तो उन्हें मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा। अब पुलिस उनकी तलाश कर रही है। दरअसल, नीतीश कुमार ने एनडीए से नाता तोड़कर महागठबंधन के साथ सरकार बना ली थी। इसके बाद राजद कोटे से आने वाले कार्तिकेय सिंह को मंत्री बनाया गया था। कार्तिकेय सिंह को कानून मंत्री की जिम्मेदारी दी गई थी। हालांकि, कार्तिकेय सिंह के खिलाफ कोर्ट में लगातार कई मामले चल रहे थे। इसी को लेकर भाजपा ने जबरदस्त तरीके से नीतीश सरकार पर दबाव बनाया। इसके बाद कार्तिकेय का पहले तो विभाग बदलाव गया। बाद में उन्हें इस्तीफा भी देना पड़ा। फिलहाल कार्तिकेय सिंह को पुलिस हर जगह तलाश कर रही है। लेकिन ना ही वे अपने घर में मिले हैं। ना अपने गांव में मौजूद थे। ऐसे में सवाल यह है कि आखिर कार्तिकेय सिंह कहा है?

पटना के एसएसपी मानवजीत सिंह ढिल्लों ने इसको लेकर बड़ा बयान दिया है। अपने बयान में उन्होंने कहा कि पूर्व कानून मंत्री कार्तिकेय सिंह के खिलाफ जमानती वॉरंट जारी हुआ था। हमारी टीम मोकामा में उनके पैतृक गांव पर गई लेकिन वे नहीं मिले। कल कंकड़बाग में उनके घर पर टीम गई पर वे नहीं मिले। कोर्ट को सूचित कर दिया गया है, अगली सुनवाई 14 सितंबर को होगी। आपको बता दें कि कार्तिकेय सिंह की जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। कार्तिकेय सिंह पर 2014 में राजीव रंजन उर्फ राजू सिंह के अपहरण का मामला चल रहा है। इसी मामले में अनंत सिंह को भी आरोपी बनाया गया है। राजू रंजन उर्फ राजू सिंह अनंत सिंह का काफी करीबी बताया जाता है। इसके अलावा कार्तिकेय सिंह भी अनंत सिंह के काफी करीबी है। फिलहाल कार्तिकेय सिंह बिहार विधान परिषद के सदस्य हैं।

'पीएम बनने की इच्छा नहीं', दिल्ली में बोले नीतीश कुमार, पूरा विपक्ष एकजुट हो तो बेहतर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश की राजनीतिक सरगर्मियां लगातार तेज होती दिखाई दे रही है। 2024 चुनाव को लेकर रोज नए समीकरण बनते दिख रहे हैं। एनडीए से नाता तोड़कर महागठबंधन में शामिल होने वाले नीतीश कुमार भी लगातार अब केंद्र की मोदी सरकार पर हमलावर हैं। इन सब के बीच आज बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दिल्ली पहुंचे हैं। दिल्ली में उनकी मुलाकात राहुल गांधी से होने वाली है। जानकारी के मुताबिक नीतीश कुमार विपक्ष के कई बड़े नेताओं से भी मुलाकात करते सकते हैं। नीतीश कुमार भी प्रधानमंत्री रेस की दौड़ में बड़े चेहरे बताए जा रहे हैं। जदयू की ओर से नीतीश कुमार को लगातार पीएम मटेरियल बताया जा रहा है। जानकारी यह भी है कि नीतीश कुमार जिस तरीके से विपक्षी एकजुटता को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं, कहीं ना कहीं उनके मन में भी प्रधानमंत्री पद की लालसा है।

इसको लेकर नीतीश कुमार से बार-बार मीडिया यह सवाल पूछ रहा है। लेकिन हर बार भी इससे इनकार करते नजर आ रहे हैं। एक बार फिर से नीतीश कुमार ने साफ तौर पर कहा है कि उन्हें प्रधानमंत्री पद की इच्छा नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि विपक्ष एकजुट हो तो अच्छा रहेगा। उन्होंने कहा कि मेरी कोई इच्छा (प्रधानमंत्री बनने की) नहीं है। मैं यही चाहता हूं कि विपक्ष एक साथ आए और भाजपा के खिलाफ लड़े। विपक्ष एक साथ आएगी तो अच्छा होगा। वहीं दिल्ली रवाना होने से पहले नीतीश कुमार ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव से उनके निवास पर मुलाकात की थी। फिलहाल लालू यादव स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

अपने दिल्ली दौरे के दौरान नीतीश कुमार राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा राहुल गांधी के साथ साथ रितेश कुमार की मुलाकात अरविंद केजरीवाल, ओम प्रकाश चौटाला, शरद पवार जैसे नेताओं से भी मुलाकात कर सकते हैं। वर्तमान में नीतीश कुमार बिहार में महागठबंधन की सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। महागठबंधन में राजद के साथ-साथ कांग्रेस और कुछ वाम दल भी शामिल हैं। इससे पहले नीतीश कुमार से तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने भी मुलाकात की थी। के चंद्रशेखर राव भी लगातार विपक्षी एकता को बल देने की कोशिश कर रहे हैं। इससे पहले नीतीश कुमार ने दावा किया था कि 2024 के चुनाव में भाजपा को 50 सीटों पर समेट देना है।

जयराम रमेश का दावा पूरी तरह एकजुट है कांग्रेस

नई दिल्ली । कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि वह पूरी तरह से एकजुट है और उसके नेता (पार्टी में) अपने मन की बात खुलकर करते हैं क्योंकि वह एक लोकतांत्रिक पार्टी है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश की यह टिप्पणी उस वक्त की आई है जब भारतीय जनता पार्टी और हाल ही में कांग्रेस छोड़ने वाले गुलाम नबी आजाद ने कहा है कि देश के सबसे पुराने दल को 'भारत जोड़ो' यात्रा से पहले कांग्रेस को जोड़ना चाहिए। रमेश ने संवाददाताओं से कहा, 'पार्टी मजबूत है...कांग्रेस जुड़ी हुई है। कांग्रेस में जो असंतुष्ट हैं वो बयान देते रहते हैं। मैं समझता हूं कि आज पार्टी एकजुट है। हर एक कार्यकर्ता लगा हुआ है।'

उनका कहना था, ' कांग्रेस एक बहुत बड़ा परिवार है। कांग्रेस एक लोकतांत्रिक पार्टी है। लोग अपने मन की बात खुलकर करते हैं। कोई खत लिखता है कोई साक्षात्कार देता है। यह लोकतंत्र को दर्शाता है। जयराम रमेश ने आजाद का नाम लिए बगैर कहा, 'हमारे यहां कोई तानाशाही नहीं है। हम किसी को चुप नहीं करते हैं। हम लोगों को मनाते हैं। कुछ लोग मनाने के बावजूद चले जाते हैं, गालियां देकर। उनके बारे में कुछ नहीं कहना चाहता। पहले ही कह दिया है। उन्होंने कहा, 'यह कहना गलत है कि हमारी प्राथमिकता कांग्रेस जोड़ने की होनी चाहिए। हमारे लिए प्राथमिकता भारत जोड़ने की है।

'महंगाई के मुद्दे पर बात नहीं करेगी भाजपा', भूपेश बघेल बोले- क्या भारत सरकार कर्ज में नहीं है ?

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

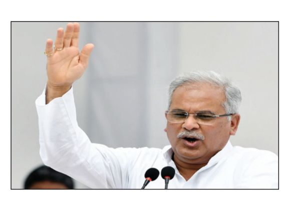

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जमकर निशाना साधा और पूछा कि क्या भाजपा शासित प्रदेश कर्ज में नहीं हैं ? इसके साथ ही भूपेश बघेल ने भाजपा पर राहुल गांधी के एक वीडियो को निशाना बनाए जाने पर पलटवार किया।

क्या कर्ज में नहीं है भाजपा सरकार ?

समाचार एजेंसी के मुताबिक, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि वे (भाजपा) केवल कहते हैं करते नहीं। गोबर खरीदने की कितनी आलोचना की, अब सबने स्वीकार कर लिया...कह रहे हैं कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना में ये लोग कर्ज़ में लाद दिए। क्या भारत सरकार कर्ज़ में नहीं हैं? क्या भाजपा शासित प्रदेश कर्ज़ में नहीं हैं। इसी बीच उन्होंने महंगाई के मुद्दे को लेकर निशाना साधते हुए कहा कि महंगाई का मुद्दा था परन्तु राहुल गांधी का एक शब्द उन्होंने (भाजपा) पकड़ लिया, जो उन्होंने (राहुल गांधी) तुरंत सुधार भी लिया था। लेकिन विषय के बारे में वे (भाजपा) बात नहीं करेगी।

दरअसल, कांग्रेस की हल्ला बोल रैली के दौरान राहुल गांधी की जुबान फिसल गई। हालांकि उन्होंने अपने भाषण में तुरंत ही सुधार कर लिया था। ऐसे में राहुल गांधी का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। जिसको लेकर राहुल गांधी पर भाजपा हमलावर दिखाई दे रही है।

मनीष सिसोदिया का जवाब, शराब घोटाले पर भाजपा का स्टिंग ऑपरेशन मजाक

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली आबकारी नीति में कथित घोटाले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा 'क्लीन चिट' दिये जाने के अपने दावे को दोहराते हुए उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सोमवार को इस विषय पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक 'स्टिंग ऑपरेशन' को मजाक करार दिया। भाजपा ने आम आदमी पार्टी (आप) पर हमला तेज करते हुए सोमवार को एक 'स्टिंग ऑपरेशन' का वीडियो जारी किया जिसमें शराब घोटाले के एक आरोपी के पिता को कथित तौर पर यह दावा करते सुना जा सकता है कि उन्होंने दिल्ली में शराब का लाइसेंस पाने के लिए 'कमीशन' दिया था। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने आरोप लगाया, ''वीडियो में जो कार्य प्रणाली सामने आई उसके मुताबिक 80 प्रतिशत मुनाफा (मुख्यमंत्री अरविंद) केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और उनके दोस्तों को जाएगा।

पहले आप हमें 80 प्रतिशत कमीशन दीजिए और फिर 20 प्रतिशत आप जिस तरह चाहें बेचें, हमें कोई मतलब नहीं। यह केजरीवाल की नीति रही है।'' भाजपा के स्टिंग ऑपरेशन के दावे पर पलटवार करते हुए सिसोदिया ने कहा कि सीबीआई को उनके घर में, लॉकर में कुछ नहीं मिला और उन्हें 'क्लीन चिट' दे दी गयी। उन्होंने कहा, ''सीबीआई ने मुझे क्लीन चिट दे दी क्योंकि उसे कुछ नहीं मिला और इसीलिए भाजपा ये तरीके अपना रही है। यह स्टिंग ऑपरेशन नहीं है, केवल मजाक है।''

सिसोदिया ने यह भी कहा कि भाजपा कार में बैठे-बैठे कुछ भी बना सकती है लेकिन इससे यह स्टिंग ऑपरेशन नहीं हो जाता। उन्होंने कहा, ''यह केवल मजाक है। मैं भी ऐसे स्टिंग ऑपरेशन साझा कर सकता हूं और आपको उन्हें प्रसारित करना चाहिए।

मातृभाषा में मौलिक प्रतिभा का विकास हो सकता है अधिक प्रभावी: राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि विज्ञान, साहित्य, सामाजिक शास्त्र में मौलिक प्रतिभा का विकास मातृ से अधिक प्रभावी ढंग से हो सकता है तथा जब शिक्षक मातृमें पढ़ाते हैं तो विद्यार्थी अधिक सहजता से अपनी प्रतिभा का विकास कर सकते हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज की ज्ञान अर्थव्यवस्था में विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार विकास के आधार हैं और इन क्षेत्रों में भारत की स्थिति को और मजबूत बनाने की आधारशिला स्कूलों में ही निर्मित होती है।

उन्होंने कहा, '' मैं मानती हूं कि विज्ञान, साहित्य, अथवा सामाजिक शास्त्र में मौलिक प्रतिभा का विकास मातृके माध्यम से अधिक प्रभावी हो सकता है। हमारी माताएं ही हमारे जीवन के आरंभ में हमें जीने की कला सिखाती हैं।'' मुर्मू ने कहा कि माता के बाद शिक्षक हमारे जीवन में शिक्षा को आगे बढ़ाते हैं, ऐसे में यदि शिक्षक भी मातृमें पढ़ाते हैं तो विद्यार्थी सहजता के साथ अपनी प्रतिभा का विकास कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इन्हीं कारणों से राष्ट्रीय शिक्षा नीति में स्कूली शिक्षा एवं उच्च शिक्षा के लिये भारतीय भाषाओं के प्रयोग पर जोर दिये गया है। राष्ट्रपति ने अपने स्कूली शिक्षकों के योगदान के याद किया जिनकी वजह से वह कॉलेज जाने वाली अपने गांव की पहली लड़की बनी थीं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की स्कूली शिक्षा दुनिया की सबसे बड़ी शिक्षा प्रणालियों में से एक है। राष्ट्रपति ने 46 चुनिंदा शिक्षकों को स्कूली शिक्षा में उनके विशिष्ट योगदान के लिए राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार, 2022 से सम्मानित किया।

मुर्मू ने कहा कि अपने देश में जब वाद-विवाद-संवाद की संस्कृति को महत्व दिया जाता था तब यहां आर्यभट्ट, ब्रह्मगुप्त, वराहमिहिर, भास्कराचार्य, चरक, सुश्रुत जैसे गणितज्ञ, वैज्ञानिक, चिकित्सक सामने आए और आधुनिक विश्व के वैज्ञानिक उनकी ऋणि हैं। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे विद्यार्थियों में प्रश्न पूछने, शंका करने की आदत को प्रोत्सहित करें। राष्ट्रपति ने कहा कि अधिक से अधिक प्रश्नों का उत्तर देने तथा शंकाओं का समाधान करने से शिक्षकों के ज्ञान में भी वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि भारत की स्कूली शिक्षा व्यवस्था, दुनिया की सबसे बड़ी शिक्षा प्रणालियों में शामिल है जहां 15 लाख से अधिक स्कूल हैं।

उन्होंने कहा कि देश में 97 लाख शिक्षकों द्वारा 26 करोड़ से अधिक विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान की जा रही है। मुर्मू ने अच्छी शिक्षा प्रदान करने को स्कूली स्तर पर असली चुनौती करार देते हुए कहा कि प्रारंभिक स्तर पर अनेक छात्रों को बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान प्राप्त करने में कठिनाई होती है। उन्होंने कहा कि ऐसे में शिक्षा नीति में वर्ष 2025 तक प्राथमिक स्कूली स्तर पर सभी छात्रों को मूलभूत साक्षरता एवं संख्या ज्ञान प्रदान करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। राष्ट्रपति ने कहा कि इस राष्ट्रीय प्रयास में देश के सभी शिक्षकों की मुख्य भूमिका होगी क्योंकि शिक्षक ही हमारी शिक्षा प्रणाली की प्राण शक्ति हैं। ज्ञात हो कि शिक्षा मंत्रालय देश के उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित करने के लिए हर वर्ष पांच सितंबर को शिक्षक दिवस पर विज्ञान भवन में एक समारोह का आयोजन करता है। इन शिक्षकों को पारदर्शी और तीन स्तरीय ऑनलाइन चयन प्रक्रिया के जरिए चुना जाता है। इस वर्ष हिमाचल प्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र और तेलंगाना के तीन-तीन शिक्षकों को पुरस्कार दिया गया है। इन चारों राज्यों से जिन शिक्षकों को पुरस्कार दिया गया है, उनमें हिमाचल प्रदेश से युद्धवीर, वीरेंद्र कुमार और अमित कुमार, पंजाब से हरप्रीत सिंह, अरुण कुमार गर्ग और वंदना शाही, महाराष्ट्र से शशिकांत संभाजीराव कुल्ठे, सोमनाथ वमन वाल्के तथा कविता सांघवी और तेलंगाना से कंदला रमैया, टी एन श्रीधर तथा सुनीता राव शामिल हैं।

सार समाचार

पानी-पानी हुआ बेंगलुरु सड़कों पर चली नाव गली-मोहल्लों में जलभराव

बेंगलुरु । देश में जारी मानसून का अभी अंतिम दौर शुरू नहीं हुआ है और कई हिस्सों में जमकर बारिश हो रही है। इसी के चलते कई शहरों में अभी भी बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। इसी कड़ी में कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में भारी और तेज बारिश के चलते बाढ़ की स्थिति बन गई है। हालत यह हो गई है कि बेंगलुरु की सड़कों पर नाव चल रही है और गली मोहल्लों में पानी भर गया है। दरअसल, बेंगलुरु में पिछले कई दिनों से तेज और भारी बारिश हो रही है। इसी की वजह से जगह-जगह पानी भर गया है। क्या घर, क्या सड़कें, क्या गाड़ियां सब जलमग्न हैं। शहर में बाढ़ जैसे हालत पैदा हो गए हैं। जलभराव के कारण लोगों को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। कई इलाकों में तो इतना पानी भर गया है कि वहां से लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए नावों की मदद ली जा रही है। वार्थुर उपनगर में नावों को तैनात किया गया है। सबसे प्रभावित इलाकों में बेलांदुर, सरजापुरा रोड, वाइटफील्ड, आउटर रिंग रोड और बीईएमएल लेआउट शामिल हैं। इसके अलावा शहर के कई चौराहों पर ट्रैफिक जाम भी हो गया है। एक हफ्ते में यह दूसरी बार है, जब बेंगलुरु में भारी बारिश के बाद भीषण जलभराव देखने को मिल रहा है।

जम्मू और कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर आतंकवादी का शव पाकिस्तान को सौंपा

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में सेना के एक अस्पताल में दो दिन पहले दिल का दौरा पड़ने से मरे एक आतंकवादी का शव सोमवार को पाकिस्तान को सौंप दिया गया। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में कोटली के सब्जकोट गांव के रहने वाले तबाकर हुसैन (32) को पिछले महीने सीमापार से इस तरफ घुसपैठ की कोशिश के दौरान गोली लग गयी थी और उसकी सर्जरी हुई थी। सेना के एक अधिकारी ने कहा, ''भारतीय सेना ने पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर चाकन दा बाग सीमापार बिंदु पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में हुसैन का शव पाकिस्तान को सौंपा।'' उन्होंने कहा कि हाल के समय में यह संभवतः पहली घटना है जिसमें पाकिस्तान ने एक आतंकवादी के शव को स्वीकार किया है। अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान हमेशा से जम्मू कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्त उसके नागरिकों के शव लेने से इनकार करता रहा है। लश्कर-ए-तैयबा के प्रशिक्षित गाइड और पाकिस्तानी सेना के एजेंट हुसैन ने 21 अगस्त को राजौरी के नौशेरा क्षेत्र में घुसपैठ की कोशिश की थी, तभी वह भारतीय सैनिकों की गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे बाद में सैन्य अस्पताल राजौरी में भर्ती कराया गया जहां उसकी सर्जरी हुई। सैनिकों ने उसकी जान बचाने के लिए तीन यूनिट खून भी दिया। हालांकि तीन सितंबर को उसे दिल का दौरा पड़ा। अधिकारी ने कहा कि रविवार को मृत आतंकी का पोस्टमॉर्टम करने समेत सभी अन्य औपचारिकताएं पूरी कर ली गयीं और इसके बाद शव वापस करने के लिए पाकिस्तान की सेना से संपर्क किया गया।

दिल्ली सरकार ने विभागों से वायु प्रदूषण पर 15 सितंबर तक योजना प्रस्तुत करने को कहा

नयी दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि सर्दियों में राजधानी में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए केंद्र के वायु गुणवत्ता आयोग ने जिन कदमों के क्रियान्वयन के लिए कहा है, सरकार उससे कहीं अधिक कार्य करेगी। राय ने सोमवार को लगभग 30 संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक विभाग को विशिष्ट कार्य दिए गए हैं और उन्हें 15 सितंबर तक दिल्ली में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए एक अंतिम योजना प्रस्तुत करने को कहा गया है। पर्यावरण विभाग ठंड में प्रदूषण को कम करने के लिए उठाए गए कदमों की निगरानी करेगा। कार्य योजना में पराली प्रबंधन, धूल प्रदूषण, वाहनों से निकलने वाले उत्सर्जन, खुले में कचरा जलाने, औद्योगिक प्रदूषण, 'ग्रीन वार रूम' और हरित दिल्ली मोबाइल एप्लिकेशन, प्रदूषण हॉटस्पॉट, वास्तविक समय के हिसाब से अध्ययन, स्मॉग टॉवर, ई-वेस्ट पार्क, पौधारोपणईको-फार्मिंग, जनभागीदारी, पटाखों और पड़ोसी राज्यों के साथ संयुक्त कार्रवाई पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। राय ने कहा, ''हमने संशोधित 'ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान' के क्रियान्वयन पर भी काम करना शुरू कर दिया है। हम वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) द्वारा निर्धारित किए गए कार्यों से अधिक काम करेंगे।'' सीएक्यूएम ने हाल में दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के प्रबंधन के लिए एक व्यापक नीति जारी की थी।

नेपाल में 19000 करोड़ के हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट को पूरा करेगा भारत, समझौते पर हुए हस्ताक्षर

नई दिल्ली । नेपाल में चीन के दखल को खत्म करने के लिए भारत को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। नेपाल के जिस हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट को चीन समेत तीन देशों ने छोड़ दिया था। उस प्रोजेक्ट को अब भारत पूरा करेगा। नेपाल ने 19 हजार करोड़ की इस परियोजना को पहले चीन को ऑफर किया था, लेकिन चीन ने चार साल पहले इस परियोजना से अपने हाथ पीछे खींच लिए। जिसके बाद नेपाल ने इसे विकसित करने के लिए भारत के साथ बातचीत शुरू की। अब भारत सरकार की स्वामित्व वाली एनएचपीसी लिमिटेड के साथ दो परियोजनाओं वेस्ट सेती और सेती नदी को विकसित करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। दोनों परियोजनाओं से कुल 1200 मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जाएगा। रणनीतिक लिहाज से अहम नेपाल में चीन अपनी दखल बनाए रखना चाहता है। चीन की संसद नेशनल पीपल्स कांग्रेस के अध्यक्ष ली झांसो 12 सितंबर को नेपाल का दौरा करेंगे। इस दौरान वो नेपाल के पीएम शेर बहादुर देउबा और राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी से मुलाकात करेंगे। नेपाल में चीन की दखलअंदाजी को लेकर कई बार विरोध हो चुका है। चीन की कोशिश है कि वो अपने खिलाफ विरोध को शांत करने के लिए वहां की सरकार के साथ विपक्षी पार्टियों के नेताओं से भी अपने संबंध मजबूत रखे। इस बीच भारत के सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे कल पांच दिनों के दौरे पर काठमांडू पहुंचे हैं। इस दौरे में जनरल मनोज पांडे सैन्य संबंधों को मजबूत करने को लेकर नेपाल के सैन्य अधिकारियों के साथ बातचीत करेंगे। राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी अपने आधिकारिक आवास 'सीतल निवास' में एक समारोह में नेपाली सेना के जनरल की मानद उपाधि प्रदान करेंगी। यह परंपरा 1950 में शुरू हुई थी। इसके तहत भारत भी नेपाली सेना प्रमुख को भारतीय सेना के जनरल की मानद उपाधि प्रदान करता है।

संजय राउत को अदालत ने फिर 19 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेजा

जम्मू । मुख्य चुनाव आयुक्त जम्मू कश्मीर ने सोमवार शाम 4:00 बजे जम्मू में सर्वदलीय बैठक बुलाई है। केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनावों को लेकर यह बैठक बेहद अहम मानी जा रही है। माना जा रहा है कि इस मीटिंग में नए वोटर लिस्ट को लेकर चर्चा हो सकती है। दरअसल हाल के दिनों 25 लाख नए वोटरों को लेकर अफवाह फैलाई जा रही है। दावा किया जा रहा है कि बाहर के लोगों को इस लिस्ट में शामिल किया गया है। इन्हीं अफवाहों पर मुख्य चुनाव आयुक्त सभी पार्टियों से बात कर सकते हैं। मतदाता सूची के मसौदे पर मुहर लगाने से पहले जम्मू-कश्मीर के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) हिरदेश कुमार सभी दलों से चर्चा करना चाहते हैं। ये बैठक 5 सितंबर को जम्मू के निर्वाण भवन में होगी। सीईओ कार्यालय के एक अधिकारी के मुताबिक इस बैठक के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस, भाजपा, कांग्रेस, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी सहित सभी प्रमुख दलों को सोमवार शाम 4 बजे होने वाली बैठक के लिए सीईओ कार्यालय द्वारा आमंत्रित किया गया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विकार रसूल ने कहा कि वे बैठक में हिस्सा लेंगे। भाजपा के महासचिव (संगठन) अशोक कौल ने पुष्टि की कि उन्हें बैठक के लिए आमंत्रित किया गया है। ये बैठक मुख्य निर्वाचन अधिकारी की इस टिप्पणी पर चल रहे विवाद के बीच बुलाई गई है जिमसें कहा गया था कि कि जम्मू को मतदाताओं के विशेष सारांश संशोधन के बाद बाहरी लोगों सहित अतिरिक्त 20-25 लाख मतदाता मिलेंगे। सूत्रों ने कहा कि सीईओ अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस से उत्पन्न आशंकाओं और संदेहों को भी दूर कर सकते हैं।

लालू यादव को सजा सुनाने वाले जज ने 59 की उम्र में की शादी, 9 साल छोटी वकील बनीं दुल्हन

गोड्डा । झारखंड के गोड्डा का एक प्रेस प्रंसग इन दिनों चर्चा में हैं। जिले के एक वकील और जज की यूनिक लव स्टोरी सुर्खियां बटोर रही है। दोनों अब शादी के बंधन में बंध चुके है। जज की उम्र 59 साल है, उन्होंने नौ साल छोटी और भाजपा नेता से शादी की है। दूल्हा बने जज राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव को चारा घोटाले के मामले में सजा सुनाकर खबरों में आए थे। जज अगले साल सेवानिवृत्त (रिटायर) होने वाले हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाकाल ग्रुप महादेव नगर द्वारा आयोजित गणेशोत्सव कार्यक्रम

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत, गणेशोत्सव आते ही सभी सोसायटी के लोग मंडल बना कर गणेशोत्सव मनाया जाता है साथ ही साथ पंडाल में अलग-अलग सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाता है, जिसके अंतर्गत ही उधना के महादेव नगर सोसायटी में महाकाल ग्रुप द्वारा आयोजित सत्यनारायण कथा और भंडारा का आयोजित किया गया था.जिसके बाद सोसायटी के आलावा अन्य सभी भक्तगण प्रसादी का आनंद लिया जिसके बाद महाकाल ग्रुप के सभ्यों ने रास्ते पर भूखे सोये हुए अन्य भक्त गण को भी प्रसादी का आनंद लिया. जिसके कुछ पल तस्वीर के माध्यम से देखा जा सकता है.

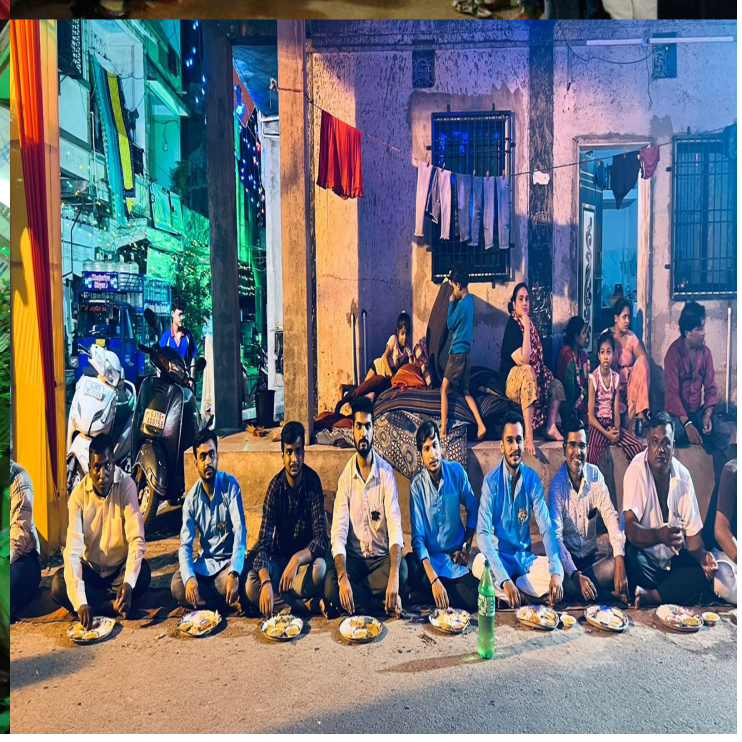

घर में स्थापित

आर.एन.एस क्लब,रतन नगर,भेस्तान,सूरत

द रेड लाइन ग्रुप,ओम श्री साईं जलाराम

रिद्धि सिद्धि ग्रुप, महादेव नगर, पांडेसरा,

वह समय गया जब लोग वोट बैंक के लिए राष्ट्रीय हितों की अनदेखी करते थे : जयशंकर

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की विदेश नीति को पूरी तहत बदल दिया है। आज देश अपने हितों के हिसाब से एक आजाद विदेश नीति अपना चुका है। विदेश नीति में पीएम मोदी की पहल की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि 'मुझे उस शख्स से जलन होगी जो 2047 में विदेश मंत्री होगा, लेकिन मैं आपको एक बात बताऊं नरेंद्र मोदी सरकार का विदेश मंत्री होना भी एक बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि यहां भी मूल विश्वास, आत्मविश्वास और नजरिया है और दुनिया इसे पहचान रही है।

गुजरात में एक कार्यक्रम में अपनी किताब
'द इंडिया वे- स्ट्रैटेजीज फॉर एन अनसर्टेन वर्ल्ड'
के गुजराती अनुवाद के लॉन्च के मौके पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि 'कुछ राजनीतिक कारणों से हमें इजरायल के साथ संबंध बढ़ाने से रोक कर रखा गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले भारतीय प्रधानमंत्री थे जो इजरायल गए थे, वह समय चला गया है जब हम वोट बैंक की राजनीति के लिए राष्ट्रीय हित को एक तरफ रख देते थे। जयशंकर ने कहा कि मोदी सरकार के पहले कार्यकाल के दौरान विदेश नीति ने बहुत अच्छा काम किया। शायद ही कोई गलत कदम उठाया गया था। 'पड़ोसी पहले' की नीति और रणनीतिक साझेदारी को कायम करने के प्रधानमंत्री मोदी के विचार के साथ विभिन्न हितधारकों तक पहुंच बनाने की उनकी निजी कोशिशों से भारी लाभ हासिल हुआ। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस मौके पर कहा कि शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और समृद्धि के कारण भारत की जनसंख्या में गिरावट आ रही है। उन्होंने भारत की जनसंख्या पर चर्चा करते हुए कहा कि भारतीय जनसंख्या की वृद्धि दर गिर रही है। इसका कारण है शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और समृद्धि। हम में से प्रत्येक के परिवार का आकार, समय बीतने के साथ छोटा होता जाता है। जबरन जनसंख्या नियंत्रण विचार को खारिज करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि इसके बहुत खतरनाक परिणाम हो सकते हैं, यह लिंग असंतुलन पैदा कर सकता है।

विरोधियों को उन्हीं के अंदाज में राहुल गांधी का जवाब, गुजरात में की वादों की बौछार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात में आगामी विधानसभा चुनाव जीतने भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) ने पूरी ताकत झोंक दी है। अब आप के चीफ और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल वोटरों को रिझाने के लिए कई वादे कर चुके हैं। आज कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी ने गुजरातवासियों के लिए वादों की ढेरी लगा दी। गुजरात में राहुल गांधी का स्टेप अगर थोड़ा बहुत भी काम कर गया तो राजनीतिक हालात बदल सकते हैं। शायद यही कारण है कि कांग्रेस को गुजरात में भाजपा हलके में नहीं ले रही।

राहुल गांधी अब पूरी तरह चुनावी मोड में नजर आ रहे हैं। बीते दिन दिल्ली में महंगाई को लेकर केन्द्र में सत्तारूढ़ भाजपा पर जबर्दस्त हमले के बाद मंगलवार को गुजरात में भी उनका वहीं अंदाज देखने को मिला। गुजरात विधानसभा के आगामी चुनाव में कांग्रेस भले ही सरकार ना बना पाए लेकिन राहुल गांधी ने जैसे आज वादों की झड़ी लगाई है उसे देख लगता है अब वह विरोधियों को उसी के अंदाज में जवाब देने का मन बना चुके हैं। मंगलवार को अहमदाबाद में आयोजित परिवर्तन संकल्प रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने आज गुजरात में कांग्रेस के सत्ता में आने पर किसानों का 3 लाख रुपए तक का कर्ज माफ करने का वादा किया है। गुजरातवासियों को एलपीजी सिलेंडर रु 500 में उपलब्ध कराने, राज्य में 10 लाख नौकरियों देने, सरकारी नौकरी में कोन्ट्रेक्ट सिस्टम बंद करने और युवाओं के लिए रु 3000 बेरोजगारी भत्ता देने का राहुल गांधी ने वाद किया है। इसके अलावा कांग्रेस के सत्ता में आने पर गुजरात में रु 10 लाख तक का मुफ्त इलाज, राज्य में 3000 सरकारी इंग्लीश मीडियम स्कूल खोलने, कोरोना पीड़ित परिवारों को रु 4-4 लाख का मुआवजा देने, 300 यूनिट बिजली फ्री और दूध उत्पादकों को प्रति लीटर 5 रुपए सब्सिडी का कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वादा किया है। राहुल गांधी ने गुजरात कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से कहा कि पिछला चुनाव मजबूती के साथ लड़कर भाजपा को थका दिया था, इस बार थोड़ी और मेहनत कर उसका मुकाबला करने की तैयारी कर लो। मौजूदा हालात बता रहे हैं आगामी विधानसभा चुनाव जीतकर कांग्रेस गुजरात में सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि पूरे गुजरात का व्यापार दो-चार लोगों के हाथ में हैं। पोर्ट, एयरपोर्ट और इंफ्रास्ट्रक्चर सब कुछ दो-चार लोग ही संभाल रहे हैं। किसी भी दुकानदार से पूछो, उसे नोटबंदी और जीएसटी से कोई फायदा हुआ है, जवाब मिलेगा ना। छोटे और मध्यम उद्योग ही गुजरात की शक्तिहै। क्या आज भाजपा सरकार गुजरत के छोटे व्यापारियों की मदद करती है? उन्होंने कहा कि गुजरात एक मात्र ऐसा राज्य है, जहं सरकार के खिलाफ आंदोलन करने के लिए मंजूरी लेनी पड़ती है। क्या सरदार वल्लभभाई पटेल ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने की मंजूरी ली थी? आज हमें उन लोगों के खिलाफ लड़ना है, जिनके खिलाफ सरदार वल्लभभाई पटेल लड़े थे। राहुल गांधी ने कहा कि अगर किसी के घर से ड्रग्स पकड़ी जाती है तो पुलिस उसे जेल मं बंद कर देती है। लेकिन मुंद्रा पोर्ट से करोड़ों का ड्रग्स पकड़े जाने के बावजूद आखिर कोई कार्यवाही क्यों नहीं की जाती। वैसे मीडिया विरोधी दलों के साथ रहती है, लेकिन मौजूदा दौर में ऐसा नहीं है। हांलाकि इसमें दोष पत्रकारों का नहीं बल्कि उनके मालिकों का है। मुंद्रा पोर्ट पर ड्रग्स पकड़े जाने की खबरें मीडिया मालिक दबा देते हैं। उन्होंने कहा कि आमतौर पर पुलिस, चुनाव आयोग और सरकारी संस्थाएं एम्पायर का काम करती हैं। लेकिन भाजपा ने सरदार पटेल द्वारा बनाई गई संस्थाओं पर कब्जा कर लिया है और संस्थाओं को उनका काम नहीं

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने राज्य के 44 शिक्षकों को श्रेष्ठ शिक्षक पारितोषिक प्रदान किए

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शिक्षक दिवस के अवसर पर राज्य के श्रेष्ठ शिक्षक पारितोषिक विजेता 44 शिक्षकों का सम्मान करते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि शिक्षा ही सभी समस्याओं का समाधान है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य और समाज के सर्वग्राही विकास के लिए शिक्षा एक आवश्यक कारक है। गुजरात सरकार के शिक्षा विभाग ने शिक्षक दिवस के अवसर पर राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी की प्रेरक उपस्थिति में श्रेष्ठ शिक्षक पारितोषिक वितरण और विद्यार्थी सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया। राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के पारितोषिक विजेता 44 शिक्षकों को शॉल, प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार राशि से सम्मानित किया। उन्होंने ६ विद्यार्थियों का भी उनकी श्रेष्ठता के लिए शिक्षा मंत्री जीतूभाई वाघाणी और शिक्षा राज्य मंत्री कीर्तिसिंह वाघेला की उपस्थिति में सम्मान किया। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने शिक्षक दिवस के पवित्र अवसर पर राज्य के शिक्षकों से विद्यार्थियों को शारीरिक रूप से बलवान, वैचारिक रूप से प्रबुद्ध और शैक्षणिक रूप से योग्य बनने की दिशा में निरंतर जिम्मेदारीपूर्ण कार्य करने का अनुरोध किया। शैक्षणिक क्षेत्र में गुजरात सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए राज्यपाल ने कहा कि गुजरात में पिछले साढ़े छह वर्षों में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने निजी स्कूलों से सरकारी स्कूल में प्रवेश लिया है। यह गुजरात शिक्षा व्यवस्था के क्षेत्र में एक प्रशंसनीय उपलब्धि है। यह दर्शाता है कि राज्य शिक्षा व्यवस्था और विशेषकर शिक्षकों की

मेहनत, परिश्रम और व्यक्तित्व ने अभिभावकों का दिल और विश्वास, दोनों जीता है। राज्यपाल ने आजीवन शिक्षक रहे पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में मनाये जाने वाले शिक्षक दिवस पर प्रधानाचार्य के रूप में अपने ३५ वर्षों के संस्मरणों की याद ताजा की। यहां यह उल्लेखनीय है कि राज्यपाल केवल २१ वर्ष की आयु में कुरुक्षेत्र गुरुकुल में प्रधानाचार्य बन गए थे। उन्होंने प्रधानाचार्य के रूप में अपने कार्यकाल की प्रेरक गाथा का विस्तार से उल्लेख करते हुए बताया कि लगातार ३५ वर्षों तक एक ही गुरुकुल में इस पद पर रहते हुए अनेक नवोन्मेषी विचारों, नई पहलों, जनकल्याण के कार्यों तथा कर्तव्यनिष्ठा के परिणामस्वरूप कुरुक्षेत्र गुरुकुल को सर्वश्रेष्ठ बनाया है। उन्होंने नरेन्द्र मोदी द्वारा गुजरात और पूरे देश में आपदा को अवसर में पलटने की कार्यसंस्कृति विकसित किए जाने का जिक्र करते हुए गुजरात के कच्छ में आए भूकंप के बाद बदली हुई परिस्थिति का वर्णन कर शिक्षकों और विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। राज्यपाल ने परंपरागत शिक्षा व्यवस्था के साथ राज्य में कृषि क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन लाने, मृदा की गुणवत्ता सुधारने और फसल उत्पादन में वृद्धि के लिए शुरू किए गए प्राकृतिक कृषि अभियान का संदर्भ देते हुए इसके फायदों को लेकर स्वयं के अनुभवों को साझा किया तथा लोगों को प्राकृतिक कृषि पद्धति अपनाने की प्रेरणा दी। देवव्रत जी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में माता-पिता के अलावा गुरुजन का स्थान श्रेष्ठ होता है और केवल यही तीन व्यक्ति जीवन में श्रेष्ठ पथप्रदर्शक बनते हैं। राज्यपाल ने इस अवसर पर शिक्षकों, विद्यार्थियों और उपस्थित सभी लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मानव निर्माण का कार्य सबसे कठिन कार्य है। जो व्यक्ति दूसरे के हृदय के स्पंदन को अपने हृदय में अनुभव कर, दूसरे के सुख में सुखी और दूसरे के दुःख में दुःखी होने की शैली को अपनाता है, वही सच्चे अर्थों में मानव और मानवता की मिसाल स्थापित कर सकता है। इस अवसर पर उन्होंने सभी माता-पिता एवं शिक्षकों से बच्चों तथा विद्यार्थियों को महापुरुषों के जीवन संघर्ष की गाथा एवं आत्मकथा को आत्मसात कराने का भी अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पारितोषिक प्राप्त शिक्षकों के अन्य सभी के लिए प्रेरणादायी बनने का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आजादी का अमृत महोत्सव मनाकर अमृत काल में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस अमृत काल के लिए प्रधानमंत्री ने देशवासियों को जो पांच संकल्प दिए हैं उसमें विकसित भारत का निर्माण, विरासत पर गर्व करना, गुलामी की मानसिकता का समूल नाश और एकता को मजबूत करने के साथ नागरिक कर्तव्यों का पालन शामिल है। मुख्यमंत्री ने इस संदर्भ में कहा कि देश के अमृत काल के इन सारे संकल्पों को साकार करने के लिए केवल शिक्षक ही आने वाली पीढ़ी का निर्माण कर उसे तैयार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात देश का अकेला ऐसा राज्य है जहां प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने वाले स्कूलों का टेक्नोलॉजी आधारित मूल्यांकन होता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिशा-निर्देश में टेक्नोलॉजी के माध्यम से शैक्षणिक व्यवस्था का निरीक्षण करने के लिए राज्य को विद्या समीक्षा केंद्र के रूप में एक नई दिशा मिली है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कहना है, कंकर से शंकर बनाने की ताकत शिक्षा में है। आज गुजरात की शिक्षा व्यवस्था के परिणामस्वरूप हजारों की संख्या में विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों का सरकारी शैक्षणिक संस्थानों और व्यवस्थाओं पर भरोसा बढ़ा है और वे निजी स्कूल छोड़कर सरकारी स्कूल की ओर मुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह शाला प्रवेशोत्सव और गुणोत्सव का ही नतीजा है कि गुजरात राज्य में 20 वर्ष पहले स्कूल ड्रॉपआउट की दर 37 फीसदी थी, वह आज घटकर 2 से 3 फीसदी तक रह गई है। गुजरात सरकार ने भी स्मार्ट स्कूल और डिजिटल शिक्षा का दृष्टिकोण अपनाकर टेक्नोलॉजी के प्रवाह को राज्य शिक्षा से जोड़ा है। मुख्यमंत्री ने आजीवन शिक्षक रहे डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का स्मरण करते हुए उपस्थित सभी लोगों को आजीवन सीखते रहने की सीख दी।

शिक्षा मंत्री जीतुभाई वाघाणी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिशानिर्देश और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार 'बाल देवो भव' के सूत्र को चरितार्थ कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में अनेक नई पहलों के जरिए विद्यार्थियों की श्रेष्ठ शिक्षा के प्रयास शुरूकिए हैं। नरेन्द्र मोदी ने 'मास्तर' से आगे बढ़कर 'गुरु' की पहचान स्थापित कर 'उपेक्षित' से 'अपेक्षित' शिक्षा की राह दिखाई है। वाघाणी ने शिक्षा को 'वेतन' नहीं, परन्तु 'वतन' के लिए नोबल प्रोफेशन करार देते हुए कहा कि शिक्षक कर्तव्यनिष्ठा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

कार्यक्रम में महानुभावों ने राज्य के 44 श्रेष्ठ शिक्षकों एवं 6 विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में उनकी श्रेष्ठता और शिक्षा के तप से राष्ट्र निर्माण के सद्कार्य के लिए सम्मानित किया।